मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 133
गुरुवार, 26 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

कांग्रेस हिंसा के जरिए सत्ता बदलना चाहती है, वोटों के जरिए नहीं: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि वह अपनी सत्ता परिवर्तन की योजना के जरिए अराजकता फैला रही है। कर्नाटक के कलबुर्गी में एक भाषण के दौरान, राजनाथ ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को चेतावनी दी कि सड़कों पर उनकी पार्टी के हंगामे से भारत के लोकतंत्र को कमजोर नहीं किया जा सकता। रक्षा मंत्री ने कहा कि अब, जब उनके सारे हथकंडे फेल हो गए हैं, तो कांग्रेस पार्टी और उसके कई सहयोगी कह रहे हैं कि 'मोदी ऐसे जाने वाले नहीं हैं; अब यहां सत्ता परिवर्तन होना चाहिए।' वे अराजकता फैलाकर, अशांति पैदा करके और खून-खराबा भड़काकर यहां की सरकार बदलना चाहते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हमारे कई पड़ोसी देशों में इसी तरह से सत्ता परिवर्तन हुआ है; क्या वे वैसी ही अराजकता फैलाकर यहां सरकार बनाना चाहते हैं? मैं कांग्रेस के राहुल गांधी को साफ तौर पर बता देना चाहता हूं कि भारत का लोकतंत्र इतना कमजोर नहीं है कि आपकी पार्टी के लोग सड़कों पर हंगामा कर-के इसे कमजोर कर सकें। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सत्ता और कुर्सी पाने की अपनी ज़िद में, कांग्रेस लगातार इस लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव को कमजोर करने की कोशिश कर रही है... अपने 60 साल के शासनकाल में, कांग्रेस ने तीन बड़ी गलतियां कीं: पहली 1975 में हुई, जब श्रीमती इंदिरा गांधी ने आपातकाल (इमरजेंसी) लगाकर लोकतंत्र का गला घोंट दिया



था... दूसरी 1984 में हुई, जब कांग्रेस के संरक्षण में सिख भाई-बहनों का खुलेआम नरसंहार किया गया... और तीसरी सबसे बड़ी गलती यह है कि आज कांग्रेस लगातार संविधान, संवैधानिक मूल्यों और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश कर रही है।

राजनाथ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी खुद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर सवाल उठा रही है। क्या आपके समय में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें नहीं थीं? मैं कहना चाहता हूँ कि आप चाहे जिस तरीके से चुनाव करवा कर देख लें; अगर इस हिंदुस्तान में कोई सरकार बनेगी, तो वह ठऊअ की सरकार होगी, मोदी जी के नेतृत्व वाली इखढ की सरकार होगी। जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब क्या भारतीय जनता पार्टी चुनाव नहीं जीतती थी? यहाँ तक कि जब मोदी जी पहली बार भारत के प्रधानमंत्री बने, तब उस समय के मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति किसके शासनकाल में हुई थी? वह कांग्रेस का ही शासनकाल था। उन्होंने दावा किया कि अब, जब उनके सारे हथकंडे फेल हो गए हैं, तो कांग्रेस पार्टी और उसके कई सहयोगी कह रहे हैं कि 'मोदी ऐसे जाने वाले नहीं हैं; अब यहाँ सत्ता परिवर्तन होना चाहिए।' वे अराजकता फैलाकर, अशांति पैदा करके और खून-खराबा भड़काकर यहाँ की सरकार बदलना चाहते हैं... हमारे कई पड़ोसी देशों में इसी तरह से सत्ता परिवर्तन हुआ है; क्या वे वैसी ही अराजकता फैलाकर यहाँ सरकार बनाना चाहते हैं? मैं कांग्रेस के राहुल गांधी से साफ तौर पर कहना चाहता हूँ कि भारत का लोकतंत्र इतना कमजोर नहीं है कि आपकी पार्टी के लोग सड़कों पर हंगामा कर-के इसे कमजोर कर सकें... सड़कों पर अराजकता फैलाकर सत्ता परिवर्तन का जो सपना आपने देखा है, उसे भूल जाइए।

परिसीमन पर सरकार ने 'साम, दाम, दंड, भेद' का सहारा लिया, फिर भी विफल रही : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 25 नवम्बर। कांग्रेस ने बुधवार को परिसीमन संबंधी विधेयक के मुद्दे को लेकर नरेन्द्र मोदी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि 'स्वयंभू चाणक्य' ने लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत हासिल करने के लिए कौटिल्य के 'साम, दाम, दंड, भेद' के सिद्धांत के आखिरी तीन तरीकों का इस्तेमाल किया, लेकिन वह नाकाम रहे।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सवाल किया कि इस सिद्धांत के पहले तरीके यानी संवाद को कोई मौका क्यों नहीं दिया गया ? रमेश ने कहा, "कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री को पिछले सात महीनों में चार बार (11 अप्रैल, 16 जुलाई, 27 अगस्त और 16 अक्टूबर को) पत्र लिखकर इसी रास्ते का सुझाव दिया है, लेकिन इन पत्रों की सामान्य तौर पर पावती भी नहीं दी गई।"

उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि



लोकसभा में परिसीमन से जुड़े विधेयकों को पारित कराने के लिए "महाकलंकित दो-तिहाई बहुमत" हासिल करने की बेताबी में 'स्वयंभू चाणक्य' ने 'साम, दाम, दंड, भेद' के सिद्धांत के आखिरी तीन तरीकों का सहारा लिया, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली।

रमेश अक्सर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कटाक्ष करते हुए उन्हें 'स्वयंभू चाणक्य' कहते हैं। कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया था कि संसद के सत्र को लेकर जारी अनिश्चितता से संकेत मिलता है कि या तो प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की जोड़ी अपने ही दावों और बयानबाजी के जाल में फंस गई है या फिर कुछ खतरनाक साजिश चल रही है। कांग्रेस ने पिछले सप्ताह कहा था कि संसद का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुए 100 दिन हो चुके हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में परिसीमन विधेयक पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत हासिल करने की कोशिश में जुटे हैं।

रमेश ने तब कहा था कि देश के हित में यह होगा कि विकसित भारत का लक्ष्य हासिल होने तक लोकसभा की मौजूदा सदस्य संख्या और राज्यों के लिए सीटों का मौजूदा आवंटन बरकरार रखा जाए तथा महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण लागू किया जाए।

लखनऊ में 'संविधान रक्षा' सम्मेलन में शामिल होंगे मल्लिकार्जुन खरगे, पदयात्रा की नहीं मिली अनुमति

लखनऊ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बृहस्पतिवार को लखनऊ में पार्टी के 'संविधान रक्षा' सम्मेलन में शामिल होंगे। हालांकि, स्थानीय प्रशासन ने संविधान रक्षा के मुद्दे पर पार्टी के प्रस्तावित मार्च को निकालने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य पीएल पुनिया ने बुधवार को लखनऊ में संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी।इस मौके पर उनके सांसद पुत्र तथा पार्टी के प्रदेश महासचिव तनुज पुनिया भी मौजूद थे। पीएल पुनिया ने बताया कि खरगे बृहस्पतिवार को राजधानी लखनऊ में आयोजित संविधान रक्षा सम्मेलन में शामिल होंगे और इस दौरान पार्टी के सभी कार्यकर्ता और बूथ अध्यक्ष भी मौजूद रहेंगे। तनुज पुनिया ने कहा कि पार्टी ने संविधान की रक्षा के मुद्दे पर पदयात्रा निकालने की अनुमति मांगी थी, लेकिन प्रशासन ने संबंधित क्षेत्र को संवेदनशील बताते हुए इजाजत नहीं दी। उन्होंने आरोप लगाया कि जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लखनऊ आते हैं तो उन्हें हर जगह जाने की अनुमति दी जाती है, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष के कार्यक्रम पर रोक लगाई जा रही है। तनुज ने कहा, "अब हम यह कार्यक्रम कांग्रेस कार्यालय में आयोजित करेंगे।" कांग्रेस ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर देशभर में 'संविधान रक्षा' मार्च निकालने की योजना बनाई है। इन पदयात्राओं के दौरान बाबा साहेब आंबेडकर या महात्मा गांधी की प्रतिमाओं पर संविधान की प्रस्तावना पढ़ने और संविधान की रक्षा की शपथ लेने का कार्यक्रम है। कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार, पार्टी ने भाजपा पर मतदाता सूची में हेराफेरी का आरोप लगाते हुए 'वोट चोरी' के खिलाफ अपना अभियान तेज करने की भी योजना बनाई है।

विधायक डूंगर राम गेदर को AICC सचिव बनाए जाने पर राजेश प्रजापति ने दी बधाई

प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कांग्रेस नेतृत्व के प्रति जताया आभार, कहा-समाज की समस्याओं और उत्थान के लिए नई जिम्मेदारी होगी महत्वपूर्ण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज के प्रमुख राजनीतिक चेहरे एवं विधायक डूंगर राम गेदर को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC), भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में सचिव पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी इस नियुक्ति से प्रजापति समाज में हर्ष का माहौल है। समाज के विभिन्न संगठनों, सामाजिक कार्यकताओं एवं गणमान्य लोगों द्वारा उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी जा रही हैं।

इस अवसर पर प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन (PCSF) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुंबई के प्रसिद्ध भवन निमार्ता राजेश प्रजापति ने पूरी फाउंडेशन टीम की ओर से विधायक डूंगर राम गेदर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने इस नियुक्ति के लिए अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया।

राजेश प्रजापति ने कहा कि डूंगर राम गेदर को AICC में सचिव पद की जिम्मेदारी मिलना केवल उनकी



व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह पूरे प्रजापति समाज के लिए सम्मान और गौरव का विषय है। इससे समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व, सामाजिक पहचान और राजनीतिक सशक्तिकरण को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि प्रजापति कम्युनिटी सर्विस फाउंडेशन (PCSF) लगातार समाज को शिक्षा, रोजगार, व्यापार, सामाजिक एकता और राजनीतिक भागीदारी के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। फाउंडेशन का उद्देश्य समाज को संगठित कर उसकी समस्याओं को उचित मंच तक पहुंचाना तथा राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में समाज की भागीदारी को मजबूत करना है।

राजेश प्रजापति ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि विधायक डूंगर राम गेदर अपनी नई जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए प्रजापति समाज सहित विभिन्न वर्गों की समस्याओं को पार्टी नेतृत्व और संबंधित मंचों तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। समाज की शिक्षा, रोजगार, व्यापार, राजनीतिक हिस्सेदारी और सामाजिक उत्थान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने आगे कहा कि समाज की वास्तविक उन्नति तभी संभव है, जब समाज के लोगों को राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में उचित अवसर एवं प्रतिनिधित्व मिले। इसके लिए PCSF निरंतर प्रयास करता रहेगा और समाज के जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर सकारात्मक पहल को आगे बढ़ाएगा।

अंत में राजेश प्रजापति ने विधायक डूंगर राम गेदर को नई जिम्मेदारी के लिए पुनः बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि उनका राजनीतिक अनुभव और सामाजिक सरोकार समाज के विकास में उपयोगी साबित होंगे। उन्होंने कहा कि पूरा प्रजापति समाज इस उपलब्धि को गर्व के साथ देख रहा है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

उत्तराखंड में कांग्रेस ने झोंकी ताकत, गौचर और पिथौरागढ़ में रैलियों को संबोधित करेंगी प्रियंका गांधी

उत्तराखंड। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने बताया कि उत्तराखंड में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, प्रियंका गांधी गढ़वाल क्षेत्र के गौचर और कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़ में चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगी। गोदियाल ने अठक को बताया कि राहुल गांधी के भी राज्य में चार बार दौरे की योजना है, जिसमें से दो बार वे पहाड़ी इलाकों में और दो बार मैदानी इलाकों में जाएंगे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी वोट हासिल करने के लिए केवल चुनावों से ठीक पहले महिलाओं के बैंक खातों में पैसे डालती है। गोदियाल ने कहा कि राज्य की जनता समझ जाएगी कि हर पांच साल में वोट पाने की उम्मीद से ही इस तरह के पैसे बांटे जा रहे हैं।

उन्होंने महिलाओं के कल्याण के



प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया और पूछा कि अगर सरकार सच में महिलाओं की भलाई को लेकर चिंतित है, तो 'महिला सम्मान निधि' योजना के तहत मिलने वाली राशि हर महीने उनके खाते में क्यों नहीं जमा की जाती? 24 नवंबर को, उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने देहरादून स्थित अपने मुख्यालय में एक रणनीति बैठक आयोजित की। इस बैठक की अध्यक्षता अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव और उत्तराखंड प्रभारी कुमारी शैलजा ने की। शैलजा ने बताया कि 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले, राज्य के युवाओं और महिलाओं के बीच सरकार बदलने की स्पष्ट इच्छा दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि हर कोई कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार है, और सबकी कोशिशों का बस एक ही संदेश है - उत्तराखंड में सरकार बदलनी चाहिए और कांग्रेस पार्टी की सरकार बननी चाहिए। दूर-दराज के इलाकों में, चाहे युवा हों या महिलाएं, हमने सभी में यही भावना देखी।

अमेरिका का नया टैरिफ बम: भारत समेत 6 देशों पर 25% टैरिफ का प्रस्ताव, चीन पर 40% टैक्स

वाशिंगटन/नई दिल्ली। वैश्विक व्यापार व्यवस्था में एक बार फिर बड़े हड़कंप के संकेत मिल रहे हैं। अमरीका ने भारत, चीन और यूरोपीय संघ (एव) समेत अपने कई प्रमुख व्यापारिक साझेदारों पर नए टैरिफ (आयात शुल्क) लगाने की सिफारिश की है। अमरीकी व्यापार प्रतिनिधि (USTR) द्वारा आठ महीने तक चली गहन जांच के बाद यह बड़ा कदम उठाया गया है।

ट्रंप प्रशासन का तर्क है कि



विदेशी सरकारों द्वारा दी जा रही अत्यधिक विनिर्माण क्षमता (ओवरकैपेसिटी) और सरकारी सब्सिडी अमरीकी उद्योगों को नुकसान पहुंचा रही है। इसी नुकसान की भरपाई के लिए भारत पर 25 फीसदी तक और चीन पर 40 फीसदी तक नया टैरिफ लगाने का प्रस्ताव पेश किया गया है।

किस देश पर कितना टैरिफ लगाने की सिफारिश? USTR के नए प्रस्ताव में विभिन्न देशों के लिए अलग-अलग शुल्क दरें तय की गई हैं: भारत, दक्षिण कोरिया, ताइवान, मलेशिया, थाईलैंड, कंबोडिया व इंडोनेशिया: अधिकतम 25% तक टैरिफ (हालांकि इन देशों के लिए अधिकतम प्रभावी दरों को सीमित करने का भी प्रस्ताव है)। चीन: 40% तक टैरिफ (यह कई मामलों में पहले से लागू टैरिफ के अतिरिक्त होगा, जिससे कुछ उत्पादों पर कुल टैक्स 40% से भी अधिक पहुंच सकता है)।

वियतनाम: 35% तक टैरिफ (अमरीका के साथ जारी बातचीत के चलते फिलहाल कम दरें प्रस्तावित हैं)। यूरोपीय संघ (एव), जापान, बांग्लादेश, स्विट्जरलैंड व सिंगापुर: 20% तक टैरिफ।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध



TIWARI'S SARASWATI CLASSES
— Since 1992 —
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
34+ Years of Academic Excellence
Experienced & Dedicated Faculty
Personal Attention
Printed Notes & Regular Tests
Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW



SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस-25 नवंबर 2026

महिलाओं की भय-हिंसा मुक्ति से ही विकसित भारत संभव



-ललित गर्ग

महिला हिंसा केवल किसी एक महिला के साथ हुआ अपराध नहीं है, यह पूरी मानवता की चेतना पर लगा हुआ घाव है। किसी महिला का घर में अपमानित होना, दहेज के लिए प्रताड़ित होना, कार्यस्थल पर उत्पीड़न सहना, सड़क पर असुरक्षित महसूस करना, यौन हिंसा का शिकार होना या डिजिटल माध्यमों से उसकी निजता और गरिमा को चोट पहुंचाना-इनमें से हर घटना समाज की उस मानसिकता को उजागर करती है, जिसमें स्त्री को बराबरी का मनुष्य मानने की भावना अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुई है। अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस इसलिए केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सामाजिक संकल्प का दिन है। 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलने वाला 16 दिवसीय अभियान हमें यह याद दिलाता है कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा समाप्त करना केवल कानून और सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह परिवार, समाज, पुरुष, संस्थाओं, न्याय-व्यवस्था और प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। संयुक्त राष्ट्र की 2026 की थीम-महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को खत्म करने के लिए एकजुट हों, न्याय सुनिश्चित करें, पीड़ितों की सुरक्षा करें, और दोषियों को सजा से बचने न दें-का मूल संदेश स्पष्ट है कि महिलाओं से जुडे.अपराधों एवं हिंसा पर नियंत्रण हो, न्याय सुनिश्चित हो, पीड़ितों की सुरक्षा हो और अपराधियों को दंड से बचने की संस्कृति समाप्त हो। सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर ही नारी-मुक्ति का वास्तविक रास्ता है, इसी से विकसित भारत संभव है।

आज दुनिया ने महिला हिंसा के अनेक पुराने चेहरों को पहचान लिया है, लेकिन हिंसा ने भी अपना स्वरूप बदल लिया है। घरेलू हिंसा, दहेज, बाल विवाह, यौन शोषण और बलात्कार के साथ अब साइबर उत्पीड़न, ऑनलाइन धमकी, निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, डिजिटल निगरानी और कार्यस्थल पर मानसिक दबाव जैसी नई चुनौतियां सामने हैं। इसलिए महिला सुरक्षा की लड़ाई केवल पुलिस थाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे घर की मानसिकता, विद्यालय की शिक्षा, कार्यस्थल की संस्कृति और डिजिटल व्यवहार तक ले जाना होगा। भारत में स्थिति जटिल भी है और परिवर्तनशील भी। एक ओर महिलाएं राजनीति, प्रशासन, विज्ञान, शिक्षा, सेना, खेल, उद्योग और उद्यमिता में नई ऊंचाइयां छू रही हैं, दूसरी ओर अनेक महिलाएं आज भी हिंसा, भेदभाव, आर्थिक निर्भरता और सामाजिक दबाव के घेरे में हैं। कानूनों की कमी से अधिक समस्या कई बार उनके प्रभावी क्रियान्वयन, सामाजिक चुप्पी और पीड़िता को ही दोषी मानने वाली मानसिकता की होती है। महिला को यह समझाना आवश्यक है कि उसके साथ हुई हिंसा उसकी गलती नहीं है। अपराधी का अपराध अपराधी का ही है, पीड़िता को अपराधबोध में जीने के लिए मजबूर करना दूसरी हिंसा है।

मीटू जैसे आंदोलनों और निर्भया कांड के बाद हुए कानूनी सुधारों ने समाज में एक महत्वपूर्ण बदलाव पैदा किया है। पहले जिस हिंसा को घर की बात, इज्जत का मामला या समझौते से सुलझाने की सलाह देकर दबा दिया जाता था, उसके विरुद्ध आवाज उठाने का साहस बढ़ा है। लेकिन आवाज उठाना पहला कदम है, अंतिम समाधान नहीं। शिकायत करने वाली महिला को सुरक्षा, सम्मान, कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक सहयोग और त्वरित न्याय मिले, तभी कानून पर उसका विश्वास मजबूत होगा। हमें यह भी समझना होगा कि हिंसा का वास्तविक अंत अदालत के फैसले से पहले मानसिकता के परिवर्तन से शुरू होता है। जिस घर में बेटे को अधिकार और बेटी को मयार्दा का पाठ अलग-अलग पढ़ाया जाता है, वहां समानता की नींव कमजोर रहती है। बेटे को यह सिखाना होगा कि स्त्री उसकी संपत्ति नहीं, स्वतंत्र व्यक्तित्व है, उसकी सहमति सर्वोपरि है। प्रेम अधिकार नहीं, सम्मान है और पुरुषत्व का अर्थ प्रभुत्व नहीं, संवेदनशीलता है।

महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण भी हिंसा के विरुद्ध एक प्रभावी कवच है। जो महिला शिक्षित है, आर्थिक रूप से सक्षम है, अपने अधिकारों से परिचित है और आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्राप्त कर सकती है, उसके लिए हिंसक परिस्थितियों से बाहर निकलने की संभावना अधिक होती है। इसलिए भारत में पहुँच से सशक्तिकरण तक विकसित भारत के लिए आजीविका और समान अवसरों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना जैसी सोच अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्ल्ड इकनोमिक फोरम कि स्थिति बताती है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो महिलाएँ लगभग बराबरी के स्तर तक पहुँच गई हैं, परंतु आर्थिक अवसरों और राजनीतिक नेतृत्व में अभी भी उनकी भागीदारी सीमित है। वैश्विक स्तर पर महिलाएँ कुल कार्यबल का लगभग 42 प्रतिशत ही हैं और शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर उनकी हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई के आसपास है। भारत में भी स्थिति मिश्रित है।

विकसित भारत का सपना तभी सार्थक होगा, जब उसकी आधी आबादी भय से मुक्त होकर अपनी क्षमता के साथ आगे बढ़ सके। हमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए केवल कैमरे, कानून और हेल्पलाइन नहीं, बल्कि सुरक्षित संस्कारों का वातावरण बनाना होगा। विद्यालयों में लैंगिक सम्मान और संवेदनशीलता की शिक्षा हो, परिवारों में बेटियों को निर्णय लेने की स्वतंत्रता मिले, कार्यस्थलों पर शिकायत तंत्र निष्पक्ष और प्रभावी हो तथा पुलिस और न्याय-व्यवस्था पीड़िता के प्रति संवेदनशील बने। मीडिया और सोशल मीडिया को भी सनसनी के बजाय गरिमा और जिम्मेदारी का रास्ता चुनना होगा। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन पुरुष समाज में होना है। स्त्री के प्रति हिंसा की जड़ में केवल अपराधी प्रवृत्ति नहीं, बल्कि वह सोच भी है जो स्त्री को कमजोर, भोग की वस्तु या पुरुष के नियंत्रण का विषय समझती है। पुरुषत्व को प्रभुत्व से करुणा, अधिकार से उत्तरदायित्व और शक्ति से संरक्षण की ओर मोड़ना होगा। पुरुष यदि महिला की स्वतंत्रता को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं, उसकी मानवीय गरिमा का अधिकार समझेगा, तभी परिवर्तन स्थायी होगा।

नये युग की समस्याएं जैसे जलवायु परिवर्तन, युद्ध, आतंकवाद, गरीबी और डिजिटल असमानता भी महिलाओं के लिए नई चुनौतियाँ खड़ी कर रही हैं। यदि इन समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दशकों में करोड़ों महिलाएँ और लड़कियाँ अत्यधिक गरीबी की ओर धकेली जा सकती हैं। इतिहास के पन्ने यह भी बताते हैं कि जब-जब समाज संकट में पड़ा, तब-तब नारी शक्ति ने असाधारण साहस का परिचय दिया। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उल्लेखनीय कदम उठाये हैं। चाहे उज्ज्वला योजना के द्वारा उन्हें गैस सिलिंडर दिलाना हो, गावों में घरों और शौचालय का निर्माण हो या नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पास कराना। आज दुनिया के सभी देश इस बात को मान रहे है की मोदी के नेतृत्व में भारत की महिलाएं बहुत आगे बढ़ रही है। खेल जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक और राजनीति से लेकर सैन्य व रक्षा तक में महिलाएं बड़ी भूमिका में हैं। बात भारतीय या अभारतीय नारी की नहीं, बल्कि उसके प्रति दृष्टिकोण की है। आवश्यकता इस दृष्टिकोण को बदलने की है, जरूरत सम्पूर्ण विश्व में नारी के प्रति उपेक्षा एवं प्रताड़ना को समाप्त करने की है। इस दिवस की सार्थकता तभी है जब महिलाओं को विकास में सहभागी ही न बनाये बल्कि उनके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौंचने की वीभत्सताओं एवं त्रासदियों पर विराम लगे, ऐसा वातावरण बनाये।

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस हमें एक बड़ा संकल्प देता है-ऐसा समाज बनाने का, जहां महिला को अपनी सुरक्षा के लिए हर समय संघर्ष न करना पड़े, जहां बेटी को जन्म लेने से लेकर जीवन के अंतिम पड़ाव तक भय के बजाय सम्मान मिले, जहां न्याय पाने के लिए उसे अपनी पीड़ा बार-बार सिद्ध न करनी पड़े और जहां बलात्कार, दहेज-हिंसा, छेड़छाड़, उत्पीड़न और स्त्री-अस्मिता के अपमान जैसे शब्द धीरे-धीरे इतिहास के शब्दकोश का हिस्सा बन जाएं। महिला हिंसा का अंत केवल महिलाओं को सुरक्षित करने का अभियान नहीं है, यह पुरुषों को अधिक मानवीय और समाज को अधिक सभ्य बनाने का अभियान है। जिस दिन किसी महिला को अपनी गरिमा बचाने के लिए आवाज उठाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, बल्कि समाज स्वयं उसकी गरिमा का प्रहरी बन जाएगा, उस दिन इस दिवस की सार्थकता पूरी होगी। नारी को दया नहीं, न्याय चाहिए। संरक्षण मात्र नहीं, समान अवसर चाहिए। सहानुभूति नहीं, सम्मान चाहिए। क्योंकि जिस समाज में उसकी आधी आबादी भयमुक्त नहीं है, वह समाज वास्तव में विकसित नहीं हो सकता।

सियासी समीकरणों की नई करवट



अशोक भाटिया

शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन

भारतीय राजनीति के क्षितिज पर चौबीस नवंबर की तारीख एक ऐसे पुनर्मिलन की साक्षी बनी है, जिसकी आहट पिछले कई महीनों से सुनाई दे रही थी। छह वर्ष के लंबे अलगाव के बाद शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी ने आगामी पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए एक बार फिर हाथ मिला लिया है। नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल की मौजूदगी में हुआ यह ऐलान महज दो राजनीतिक दलों का चुनावी समझौता भर नहीं है। यह समकालीन भारतीय राजनीति के उस जटिल दौर की बानगी है, जहां विचारधारा की कठोरता से अधिक प्रासंगिक बने रहने की जिद और सामाजिक समीकरणों को साधने की बाध्यता हावी दिखाई देती है। आज जब उत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक क्षेत्रीय अस्मिता और राष्ट्रीय विमर्श के बीच नया संतुलन तलाशा जा रहा है, तब पंजाब के इस घटनाक्रम को केवल एक सीमावर्ती राज्य की चुनावी बिसात मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसके निहितार्थ कहीं अधिक गहरे, सामाजिक और राष्ट्रीय हैं।

इस गठबंधन की पृष्ठभूमि को समझने के लिए हमें अतीत के उन पन्नों को पलटना होगा, जो सन उन्नीस सौ छियानवे में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और प्रकाश सिंह बादल की दूरदर्शिता से लिखे गए थे। करीब ढाई दशकों तक यह गठबंधन पंजाब में केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं रहा, बल्कि आतंकवाद के काले साये से बाहर निकले राज्य में हिंदू और सिख समुदायों के बीच विश्वास का एक मजबूत सेतु भी बना। लेकिन वर्ष दो हजार बीस में तीन कृषि कानूनों के मुद्दे पर उपजे तीव्र किसान आंदोलन ने इस ऐतिहासिक साझेदारी की नींव हिला दी। अकाली दल ने अपने पारंपरिक ग्रामीण और किसान वोट बैंक को बचाने के लिए राजग से नाता तोड़ लिया। उस समय यह कदम अकाली नेतृत्व को राजनीतिक रूप से सुरक्षित लगा था, परंतु समय के साथ यह स्पष्ट हो गया कि अलग-अलग राहें चुनना दोनों ही दलों के लिए आत्मघाती साबित हुआ है। वर्ष दो हजार बाईस के विधानसभा चुनाव और उसके बाद हुए लोकसभा चुनावों के नतीजों ने दोनों दलों को यह कड़वा सच दिखा दिया कि पंजाब की बहुकोणीय राजनीति में अकेले चलकर वे हाशिये पर धकेले जा रहे हैं।

यहां यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि यह पुनर्मिलन दोनों दलों की राजनीतिक जरूरत है या फिर अस्तित्व बचाने की मजबूरी। यदि हम चुनावी गणित और जमीनी हकीकत का सूक्ष्म विश्लेषण करें, तो दोनों ही पहलू एक-दूसरे में गुंथे हुए नजर आते हैं। अकाली दल के लिए यह अस्तित्व का संकट है। पंथिक राजनीति का स्वयंभू ध्वजवाहक होने के बावजूद, पार्टी अपने ही गढ़ में सिमटती चली गई और उसका नेतृत्व विश्वसनीयता के संकट से जूझता रहा। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी के सामने चुनौती अलग किस्म की है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रचंड बहुमत और संगठनात्मक विस्तार के बावजूद, पंजाब के ग्रामीण अंचलों में भाजपा अपनी पैठ बनाने में विफल रही। लोकसभा चुनावों में पार्टी के मत प्रतिशत में भले ही उछाल आया हो, लेकिन सीटों के खाते में शून्य दर्ज होना इस बात का

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

प्रमाण था कि शहरी हिंदू मतदाताओं के भरोसे पंजाब की सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंचा जा सकता। स्पष्ट है कि एक के पास ग्रामीण सिख आधार है जो बिखर चुका है, तो दूसरे के पास शहरी जनाधार है जो सत्ता के लिए अपर्याप्त है। ऐसे में एक-दूसरे का हाथ थामना दोनों के लिए एक ऐसी व्यावहारिक मजबूरी बन गया, जिसे अब पंजाब के कल्याण और जरूरत के आवरण में लपेटकर पेश किया जा रहा है।

सामाजिक दृष्टि से देखें तो पंजाब एक बेहद संवेदनशील दौर से गुजर रहा है। सीमा पार से होने वाली नशे की तस्करी, युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी, विदेश पलायन की होड़ और कानून-व्यवस्था को लेकर उठते सवालों ने राज्य के सामाजिक ताने-बाने को भीतर से खोखला किया है। नशाखोरी के खिलाफ दिसंबर दो हजार उनतीस तक की समय-सीमा तय करना इस बात की स्वीकारोक्ति है कि समस्या विकराल रूप ले चुकी है और इसका समाधान किसी एक दल की चुनावी घोषणा से संभव नहीं है। इसके अतिरिक्त, पंजाब के समाज में शहरी और ग्रामीण विभाजन की जो खाई पिछले कुछ वर्षों में चौड़ी हुई है, उसे पाटना किसी भी सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। गठबंधन के ऐलान के वक्त दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व ने इसे हिंदू-सिख एकता और सद्भाव का प्रतीक बताया है। यदि यह गठबंधन वास्तव में सामाजिक ध्रुवीकरण को रोकने और दोनों समुदायों के बीच संवाद बहाल करने का माध्यम बनता है, तो यह पंजाब ही नहीं, बल्कि पूरे देश की आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक समरसता के लिए शुभ संकेत होगा।

इस घटनाक्रम का राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। देश के दक्षिणी राज्यों से लेकर पूर्वी और पश्चिमी छोर तक, आज भारतीय राजनीति में गठबंधन धर्म की नई परिभाषा गढ़ी जा रही है। एक दौर था जब यह माना जाने लगा था कि राष्ट्रीय दलों के उभार के साथ क्षेत्रीय दलों का महत्व समाप्त हो जाएगा। लेकिन समय का चक्र देखिए कि केंद्र में सत्तारूढ़ दल को भी विभिन्न राज्यों में स्थानीय आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले क्षेत्रीय क्षत्रपों की आवश्यकता महसूस हो रही है। पंजाब में भाजपा द्वारा अकाली दल को बड़े भाई की भूमिका देना और मुख्यमंत्री पद पर उसका दावा स्वीकार करना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि संघीय ढांचे में क्षेत्रीय अस्मिता की अनदेखी नहीं की जा सकती। यह संदेश दक्षिण भारत के उन राज्यों के लिए भी महत्वपूर्ण है, जहां क्षेत्रीय दल अक्सर राष्ट्रीय दलों पर स्थानीय हितों की उपेक्षा का आरोप लगाते हैं। भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती इसी विविधता और शक्ति संतुलन में निहित है, जहां केंद्र और राज्य की आकांक्षाएं एक-दूसरे की पूरक बनकर चलें।

तमाम सियासी गुणा-भाग के बावजूद, इस गठबंधन की राह इतनी आसान नहीं है, जितनी मंच से दिखाई दे रही है। राजनीति में दो और दो हमेशा चार नहीं होते। छह साल पहले जिन किसानों के गुस्से के कारण यह गठबंधन टूटा था, उनके मन में आज भी कई आशंकाएं जीवित हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और कृषि सुधारों से जुड़े मुद्दे अभी पूरी तरह शांत नहीं हुए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का एक बड़ा वर्ग इस बात पर संदेह जता रहा है कि क्या दोनों दलों का पारंपरिक वोट बैंक एक-दूसरे को आसानी से स्थानांतरित हो पाएगा। ग्रामीण सिख मतदाता अकाली दल के इस कदम को किस रूप में लेगा और क्या वह फिर से उस नेतृत्व पर भरोसा कर पाएगा जिस पर अवसरवादिता के आरोप लग रहे हैं, यह सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न है। दूसरी तरफ, भाजपा के भीतर भी वह कार्यकर्ता जो पिछले छह वर्षों से अकेले दम पर पार्टी को खड़ा करने का सपना देख रहा था, सीटों के नए बंटवारे में खुद को ठगा हुआ महसूस कर सकता है।

सत्ताधारी आम आदमी पार्टी और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस इस नए समीकरण को अवसरवादी गठजोड़ करार देकर हमलावर हो चुके हैं। राज्य सरकार द्वारा कृषि कानूनों पर बादल परिवार के पुराने रुख और अंतरराज्यीय जल बंटवारे जैसे संवेदनशील मुद्दों को उठाना इस बात का संकेत है कि आने वाले दिनों में पंजाब की राजनीति बेहद तीखी और भावनात्मक होने वाली है। ऐसे में अकाली-भाजपा गठबंधन के सामने दोहरी चुनौती है। पहली, उन्हें अपने कार्यकताओं के बीच के अविश्वास को मिटाकर एक साझा जमीनी अभियान खड़ा करना होगा। दूसरी, उन्हें पंजाब की जनता के सामने विकास, रोजगार, कृषि संकट और नशा मुक्ति का एक ऐसा ठोस खाका रखना होगा जो केवल चुनावी वादा न लगे, बल्कि जिसमें एक विजन दिखाई दे। दरअसल , लोकतंत्र में किसी भी गठबंधन की सार्थकता इस बात से तय नहीं होती कि उसने सत्ता के कितने सोपान चढ़े, बल्कि इस बात से होती है कि उसने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में क्या बदलाव लाया। पंजाब देश का अन्नदाता और सीमाओं का सजग प्रहरी है। जब पंजाब अस्थिर होता है या आर्थिक-सामाजिक संकट से घिरता है, तो उसकी टीस पूरे राष्ट्र को महसूस होती है। अकाली दल और भाजपा का यह नया अध्याय यदि केवल सत्ता की कुर्सी तक पहुंचने की सीढ़ी बनकर रह गया, तो इतिहास इसे एक राजनीतिक मजबूरी से अधिक कुछ नहीं मानेगा। लेकिन यदि इस मिलन ने पंजाब के युवाओं को नशे के अंधकार से निकालकर रोजगार की रोशनी दी, किसानों की चिंताओं का स्थायी समाधान निकाला और देश की एकता को मजबूती प्रदान की, तभी यह गठबंधन समय की कसौटी पर एक सच्ची जरूरत सिद्ध हो पाएगा। आने वाले महीनों में पंजाब का मतदाता अपने विवेक से यह तय करेगा कि यह मिलन राज्य के नवनिर्माण की शुरूआत है या फिर पुराने सियासी चेहरों की सत्ता में लौटने की एक और कवायद।

भाजपा को सत्ता से हटाने चले, सीटों पर ही उलझे विपक्षी दल

2027 की लड़ाई से पहले विपक्ष दिल्ली की बैठकों में उलझा है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस भाजपा को हराने का दावा करती हैं, पर उनकी बातचीत का केंद्र जनता, बेरोजगारी या महंगाई नहीं, सीटों की गिनती और राजनीतिक हैसियत बन गई है। जिस गठबंधन को भाजपा के लिए चुनौती बनना था, वह अभी अपने भीतर भरोसा कायम नहीं कर पा रहा। यह कमजोरी भाजपा के लिए अवसर है। सपा ने कांग्रेस के सामने 26 सीटों का प्रस्ताव रखा है। कांग्रेस की ओर से पहले 181 सीटों की मांग की खबर आई, फिर 130 और 120 सीटों के आसपास की दावेदारी सामने आई। फासला साफ है। अखिलेश का तर्क है कि सीटें जीतने की संभावना के आधार पर मिलनी चाहिए। पर जीत का पैमाना कौन तय करेगा? क्या सपा अपने उम्मीदवारों को भी इसी कसौटी पर परखेगी? कांग्रेस की हालत भी किसी भ्रम में रहने लायक नहीं। 2022 में उसने 399 सीटों पर चुनाव लड़ा, सिर्फ दो जीतीं, उसका वोट प्रतिशत 2.33 रहा और 387 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई। ऐसे प्रदर्शन के बाद 120-130 सीटों का दावा आत्ममुग्धता लगता है। मगर 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने प्रदेश की 17 में से छह सीटें जीतीं और 9.46 प्रतिशत वोट पाए। सपा ने 62 में से 37 सीटें जीतकर 33.60 प्रतिशत मत हासिल किए। लोकसभा नतीजे विधानसभा की गारंटी नहीं, लेकिन कांग्रेस शून्य भी नहीं। दोनों दल अपने अनुकूल आंकड़े चुन रहे हैं। सपा की 26 सीटों वाली सूची में रामपुर खास और फरेंदा जैसी कांग्रेस की जीती सीटें हैं। मथुरा, खेरागढ़, जगदीशपुर और किदवई नगर वे क्षेत्र हैं जहां कांग्रेस दूसरे स्थान पर रही थी। बागपत, मोदीनगर, हापुड़, जेवर, स्याना, खुर्जा, खैर, इगलास, मांट, आगरा उत्तर, फतेहपुर सीकरी, बिलग्राम-मल्लावां, गोविंद नगर, नानपारा, गोरखपुर शहर, खजनी, पडरौना, फाजिलनगर, पिंडरा और वाराणसी कैंट भी प्रस्ताव में बताए गए हैं। कई क्षेत्रों में कांग्रेस के हजार-दो हजार वोट सपा के तर्क को बल देते हैं, पर जीत उम्मीदवार, समीकरण, संगठन और वोट हस्तांतरण से तय होगी।

अखिलेश की सबसे बड़ी राजनीतिक भूल यह हो सकती है कि वह गठबंधन को साझेदारी नहीं, अधीनता समझ बैठें। पांच प्रत्याशियों की घोषणा बेहट से उमर अली खान, सहारनपुर से आशु मलिक, कैराना से नाहिद हसन, अमरोहा से महबूब अली और ललितपुर से ज्योति लोधी



-अजय कुमार

सीटों पर बातचीत के बीच हुई। यह संगठन की तैयारी हो सकती है, लेकिन सहयोगी को भरोसे में लिए बिना घोषणा दबाव की राजनीति लगती है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के दावों के बीच यह कदम और चुभता है। इमरान मसूद का आक्रोश इसी अपमानबोध से निकला है। उनका कहना है कि कांग्रेस भीख नहीं मांग रही और गठबंधन में सीटें दया से नहीं, आपसी सहयोग से तय होती हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कांग्रेस ने सीटें मांगी ही नहीं तो 26 का आंकड़ा थोपने का अधिकार किसने दिया। सपा को समझना होगा कि सहयोगी को सार्वजनिक रूप से छोटा करने की कीमत चुकानी पड़ती है। कांग्रेस भी बताए कि कमजोर संगठन वाली सीटों पर उसका दावा किस आधार पर है। ओमप्रकाश राजभर ने इमरान के बयान पर तंज कसते हुए पूछा कि यदि कांग्रेस भीख नहीं मांग रही तो सीटों पर बातचीत के लिए कमेटी लेकर सपा के पास क्यों गई। सपा सांसद एसपी सिंह पटेल ने भी कांग्रेस की राजनीतिक हैसियत पर सवाल उठाते हुए कहा कि उसे 50 सीटें देना भी बड़ी बात होगी। उन्होंने कांग्रेस के संगठन और उम्मीदवारों की क्षमता पर भी सवाल उठाए। ऐसे बयान बताते हैं कि भाजपा से मुकाबले की तैयारी कर रहे दोनों दलों के बीच भरोसे से ज्यादा एक-दूसरे की हैसियत नापने की होड़ लगी है।

पांच नामों की सामाजिक बनावट भी संदेश देती है। चार मुस्लिम चेहरे और एक ओबीसी महिला उम्मीदवार के जरिए सपा मुस्लिम प्रतिनिधित्व और पिछड़े वर्ग की भागीदारी का दावा मजबूत करना चाहती है। पीडीए पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक तभी चलेगा जब गैर-यादव पिछड़ों और दलितों को टिकट, संगठन और सत्ता में हिस्सेदारी मिले। मुस्लिम मतदाता भी सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार और सम्मान चाहते हैं। ओवैसी की राजनीति मुस्लिम मतों में विकल्प का सवाल उठाती है, जबकि बसपा दलित मतों पर अपनी पकड़ लौटाने की कोशिश कर सकती है। सपा का गणित इन दोनों चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। 26 नवंबर को संविधान दिवस पर प्रस्तावित पीडीए प्रणपत्र सपा की दूसरी बड़ी परीक्षा है। प्रदेश, 75 जिलों और लखनऊ के लिए अलग दस्तावेज बनाने की तैयारी स्थानीय मुद्दों को जगह देने का अवसर है। महिलाओं को सालाना 40 हजार रुपये पेंशन, स्वरोजगार के लिए दो लाख रुपये सहायता, घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट मुफ्त बिजली और गरीबों को मुफ्त इलाज जैसे प्रस्ताव चर्चा में हैं। ये संभावित वादे हैं, अंतिम घोषणाएं नहीं। लाभार्थियों की संख्या, सालाना खर्च और धन का स्रोत बताना होगा। डॉक्टर-दवा-बिस्तर के बिना मुफ्त इलाज कागज पर रहेगा। लखनऊ में मुफ्त मेट्रो यात्रा और जाम से राहत का वादा भी तभी सार्थक होगा जब परिवहन और बुनियादी ढांचे की ठोस योजना हो।

भाजपा इस खींचतान को बैठे-बिठाए भुनाएगी। वह मुस्लिम उम्मीदवारों की सूची से ध्रुवीकरण कर गैर-यादव पिछड़ों, दलितों और लाभार्थियों में पकड़ मजबूत करेगी। उसे भी बेरोजगारी, महंगाई, किसान, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था पर जवाब देना होगा। विपक्षी बिखराव सवालों को मिटाता नहीं, उनकी आवाज दबाता है। 2017 का अनुभव दोनों दलों के सामने है। गठबंधन के बावजूद भाजपा ने 312 सीटें जीतीं, सपा 47 और कांग्रेस सात पर सिमट गई। वोट अपने आप एक-दूसरे को नहीं मिलते। 2024 का साझा प्रदर्शन उत्साह देता है, पर विधानसभा का मुकाबला अलग होगा। यदि सीटों पर सम्मानजनक समझौता हुआ, साझा उम्मीदवार और बूथ स्तर पर तालमेल बना तो लड़ाई कड़ी हो सकती है। यदि समझौता अपमान और मजबूरी में हुआ तो कार्यकर्ता भीतर से साथ नहीं देंगे। और यदि गठबंधन टूटा तो विपक्षी मतों का बंटवारा भाजपा की राह आसान करेगा। अखिलेश को तय करना है कि उन्हें कांग्रेस की जरूरत है या केवल कांग्रेस के नाम की। कांग्रेस को भी तय करना है कि वह जमीन पर ताकत बनाएगी या आंकड़ों से अपनी कीमत बढ़ाती रहेगी। अखिलेश को यह याद रखना होगा कि 2024 की सफलता में कांग्रेस के वोट और राहुल गांधी की सक्रियता का योगदान था। साझेदार की ताकत स्वीकारना कमजोरी नहीं, चुनावी समझदारी है। भाजपा को हराने के लिए अहंकार छोड़ना, ईमानदार समझौता करना और जनता को जवाब देना होगा। वरना विपक्ष हार का ठीकरा दूसरों पर फोड़ेगा, जबकि कारण आज की सौदेबाजी होगी।

विश्व युद्ध का नया परिदृश्यः संयुक्त राष्ट्र संघ अपने उद्देश्य में असफल

आज का वैश्विक परिदृश्य एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ा दिखाई देता है, जहाँ कूटनीति की भाषा लगातार कमजोर पड़ती जा रही है और सैन्य शक्ति का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय संबंधों का प्रमुख माध्यम बनता जा रहा है। पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि उसने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। हाल के दिनों में युद्धविराम और शांति वाताओं की चचाओं के बीच एक बार फिर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई और उसके जवाब में ईरान की प्रतिक्रिया ने यह स्पष्ट कर दिया है कि स्थिति अभी भी अत्यंत नाजुक बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र संघ अपनी स्थापना के मूल उद्देश्य से सर्वथा असफल रहा है कुछ बाहुबली देशों की संयुक्त राष्ट्र कठपुतली बनकर रह गया है, इन परिस्थितियों में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका का पुनर्गठन आवश्यक हो गया है। अंतरराष्ट्रीय समाचारों के अनुसार हालिया संघर्ष में अमेरिका ने ईरान पर नए सैन्य हमले किए हैं और अमेरिकी नेतृत्व ने युद्धविराम व्यवस्था के प्रभावी न रहने की बात कही है, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।

इतिहास बताता है कि शांति वाताएँ तभी सफल होती हैं जब सभी पक्ष समझौते के प्रति वास्तविक प्रतिबद्धता रखें। यदि वाताओं के समानांतर सैन्य तैयारियाँ और शक्ति

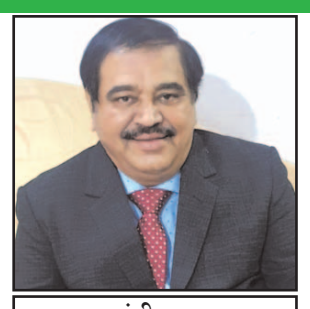

संजीव ठाकुर

प्रदर्शन जारी रहें, तो स्वाभाविक रूप से अविश्वास बढ़ता है। यही कारण है कि आज अनेक रणनीतिक विश्लेषक यह प्रश्न उठा रहे हैं कि क्या वर्तमान वाताएँ स्थायी शांति की दिशा में बढ़ रही हैं या केवल समय प्राप्त करने का माध्यम बन रही हैं। यह एक दृष्टिकोण है, किंतु इसका अंतिम निष्कर्ष भविष्य की घटनाएँ ही तय करेंगी।अमेरिका का तर्क रहा है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम और क्षेत्रीय गतिविधियाँ उसके सहयोगियों तथा अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए चुनौती हैं। दूसरी ओर ईरान लगातार यह कहता आया है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है और उसकी संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। इजरायल लंबे समय से ईरान को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा मानता है। इन परस्पर विरोधी दृष्टिकोणों ने विश्वास का ऐसा संकट पैदा कर दिया है, जिसने समाधान की राह को अत्यंत कठिन बना दिया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों ने भी अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। उन्होंने संकेत दिया है कि यदि अमेरिकी हितों या अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर खतरा बना रहा तो आगे भी सैन्य कार्रवाई की जा सकती है। दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र तथा अनेक देशों ने सभी पक्षों से अधिकतम संयम बरतने और संवाद के माध्यम से समाधान खोजने की अपील की है। यदि यह संघर्ष और व्यापक होता है तो उसका सबसे पहला प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। पश्चिम एशिया विश्व के ऊर्जा संसाधनों का प्रमुख केंद्र है। होरमुज जलडमरूमध्य से होकर विश्व के बड़े हिस्से का तेल परिवहन होता है। यदि वहाँ अस्थिरता बढ़ती है तो कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि होना स्वाभाविक है। इसका सीधा असर भारत जैसे ऊर्जा आयातक देशों पर पड़ेगा। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, परिवहन, खाद्य पदार्थ और औद्योगिक उत्पादन सभी महँगे हो सकते हैं। महँगाई बढ़ने से सबसे अधिक कठिनाई निम्न एवं मध्यम वर्ग को होगी।

आर्थिक संकट के साथ-साथ मानवीय संकट भी गहरा सकता है। युद्ध केवल सैनिकों को ही नहीं, बल्कि निर्दोष नागरिकों को भी प्रभावित करता है। लाखों लोग विस्थापित होते हैं, बच्चों की शिक्षा बाधित होती है, अस्पतालों पर दबाव बढ़ता है और सामाजिक संरचना टूटने लगती है। यदि संघर्ष परमाणु स्तर तक प

एयरपे व्यापार का महाराष्ट्र में विस्तार

मुंबई। वित्तीय सेवा प्लेटफॉर्म एयरपे व्यापार ने देशभर में अपने व्यापारी नेटवर्क का विस्तार करने की घोषणा की है, जिसकी शुरूआत महाराष्ट्र से हो रही है। इस पहल के तहत १६,००० से अधिक पिन कोड वाले क्षेत्रों में स्थानीय दुकानदारों और सेवा केंद्र संचालकों को अपनी मौजूदा दुकानों से ही बिजली व अन्य बिलों का भुगतान, पैसे ट्रांसफर, आधार के जरिए भुगतान, क्रेडिट कार्ड, कर्ज (लोन) और बीमा जैसी वित्तीय सेवाएं देने की सुविधा मिलेगी। प्रत्येक लेन-देन पर दुकानदारों को कमीशन प्राप्त होगा।

प्लेटफॉर्म से पहले से जुड़े दुकानदार इन सेवाओं के माध्यम से हर महीने औसतन १५,००० से २०,००० रुपये कमा रहे हैं, जो कई संचालकों के लिए आय का प्रमुख स्रोत बन चुकी है। नई वित्तीय सेवाएं जोड़ने से दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ती है और अतिरिक्त कमाई का अवसर खुलता है। इसके अलावा, पात्र दुकानदार अपने लेन-देन के रिकॉर्ड के आधार पर बिना किसी संपत्ति को गिरवी रखे कारोबार के लिए कर्ज भी ले सकते हैं। एयरपे के संस्थापक कुणाल झुनझुनवाला ने कहा, देशभर के स्थानीय दुकानदारों ने वित्तीय सेवाएं देने को एक व्यवसाय के रूप में अपनाया है। इन सेवाओं से दुकानों में नए ग्राहक आते हैं। साथ ही, हर महीने नियमित कमाई भी होती है। महाराष्ट्र में कई छोटे कारोबार हैं। लेकिन, उन तक औपचारिक वित्तीय सेवाएं पर्याप्त रूप से नहीं पहुंच पाई हैं। ऐसे कारोबारों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने के लिए स्थानीय दुकानदार सबसे उपयुक्त हैं। ह्यएयरपे व्यापारह्ल के जरिए किसी भी शहर का दुकानदार अपनी मौजूदा दुकान से ही यह व्यवसाय चला सकता है। शॉप वही, इन्कम नई इसी सोच के साथ यह पहल शुरू की गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश में २०२४-२५ के दौरान नए पंजीकृत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की संख्या घटकर २,३१,१६४ रही (पिछले वर्ष २,४९,००९ थी), जबकि बंद होने वाले एमएसएमई की संख्या ५५२ से बढ़कर १,९६१ हो गई। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी मध्य प्रदेश के साथ बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, असम और राजस्थान पर ध्यान दिलाया है, जहां पंजीकृत सूक्ष्म उद्यम अधिक होने के बावजूद औपचारिक बैंकिंग कर्ज की पहुंच तुलनात्मक रूप से कम है। ऐसे में स्थानीय दुकानदारों के जरिए कर्ज, लोन और बीमा जैसी सेवाएं पहुंचना महत्वपूर्ण है।

भारत में 'विजन फॉर एवरी होम' पहल

मुंबई। देश भर के दृष्टिबाधित और जरूरतमंद मरीजों को उन्नत, उच्च गुणवत्ता वाली और मुफ्त नेत्र चिकित्सा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, 'स्वामी विवेकानंद नेत्र मंदिर ट्रस्ट, सुपा' लगभग 450 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक विश्व स्तरीय नेत्र अस्पताल स्थापित करने जा रहा है। ट्रस्ट की महत्वाकांक्षी पहल 'विजन फॉर एवरी होम' के तहत, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ.भाविन पटेल ने मुंबई प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि पूरे भारत में 108 आई केयर सेंटर (नेत्र देखभाल केंद्र) स्थापित करने की योजना है। उन्होंने पत्रकारों से आग्रह किया कि अगर उन्हें कोई जरूरतमंद मरीज मिले, तो वे उसे उनके पास ले आएं या उन्हें सूचित करें, ताकि वे अपनी संस्था में उसका इलाज कर सकें या तो बिल्कुल मुफ्त में या फिर बहुत कम खर्च पर। स्वामी विवेकानंद नेत्र मंदिर ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य आँखों की बीमारियों से पीड़ित हर मरीज की तकलीफ को दूर करना और उनके चेहरों पर मुस्कान लाना है। इसका लक्ष्य समाज के सबसे वंचित वर्गों को उच्च गुणवत्ता वाली नेत्र देखभाल सेवाएँ प्रदान करना है। इस परियोजना के पहले चरण में 21 अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर होंगे, जिनमें हर साल 1.2 लाख आंखों की सर्जरी की जा सकेगी। अस्पताल परिसर में दृष्टिबाधित बच्चों के लिए एक विशेष उपचार केंद्र, ऑप्टोमेट्री और नर्सिंग का एक कॉलेज, दृष्टिबाधित छात्रों के लिए एक स्कूल और एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र भी होगा। इस पहल का उद्देश्य आंखों की देखभाल की सेवाओं को शिक्षा और पुनर्वास सुविधाओं के साथ जोड़ना है। अक्टूबर 2022 और अगस्त 2026 के बीच, ट्रस्ट ने 1,991 से अधिक नेत्र जांच शिविर आयोजित किए और 191,333 मरीजों की जांच की। इस दौरान, मोतियाबिंद के 51,376 से अधिक मुफ्त ऑपरेशन किए गए। 'रेटिनोपैथी ऑफ प्री-मैच्योरिटी' कार्यक्रम के तहत 33,944 नवजातों की जांच की गई, और 1,014 लेजर उपचार तथा 164 सर्जरी की गईं। इसके अलावा, ट्रस्ट ने 10,000 से अधिक मरीजों और उनके रिश्तेदारों को भोजन और पोषण संबंधी सहायता उपलब्ध कराई। ट्रस्ट का लक्ष्य वर्ष 2026-27 के दौरान 926 से अधिक नेत्र जांच शिविर आयोजित करना है।

भोजपुरी म्यूज़िक में परा म्यूजिक की मजबूत होती पकड़, निरहुआ के साथ नया गाना 'मार लेला देसी

मुंबई/पटना। तेजी से आगे बढ़ रही म्यूज़िक कंपनी परा म्यूज़िक ने भोजपुरी संगीत में अपनी मौजूदगी मजबूत करते हुए अपना नया गाना मार लेला देसी रिलीज किया है। इस रोमांटिक-कॉमेडी डांस नंबर में भोजपुरी के बड़े सितारों में शुमार अभिनेता- गायक दिनेश लाल यादव, यानी निरहुआ, और मशहूर गायिका शिल्पी राज की आवाज है।यह निरहुआ का परा म्यूज़िक के साथ पहला गाना है और रिलीज होते ही चार्ट्स पर चर्चा में आ गया है। मार लेला देसी पति-पत्नी की मजेदार नोक-झोंक पर आधारित एक देसी डांस नंबर है। गाने में पति कुछ शराब पीने के बाद आभूषण, शानदार फ्लैट और निजी जेट जैसे बड़े वादे करता है, लेकिन उसकी समझदार पत्नी उसे घर की जिम्मेदारियों और रोजमर्रा के खर्चों की याद दिलाकर जमीन पर ला देती है। गाने का पकड़ वाला हुक, मार लेला देसी त बोलेला बेसी, उस पति की कहानी कहता है जो आसमान के तारे तोड़ने का वादा करता है, लेकिन उसे पूरा करने में मुश्किल खड़ी हो जाती है। यह गाना पहले ह्यभोजपुरी बवाल सीजन1 में प्रस्तुत हुआ था, जिसमें निरहुआ एक प्रतिभागी थे। अब इसे परा म्यूज़िक के भोजपुरी धूम यूट्यूब चैनल पर आधिकारिक रिलीज मिली है। परा म्यूज़िक की संस्थापक रश्ना पोचखानवाला ने कहा, भारत के क्षेत्रीय संगीत बाजारों में बहुत बड़ी संभावनाएं हैं। यहां अलग-अलग दर्शक, भाषाएं और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां मौलिक संगीत के लिए बेहतरीन अवसर पैदा करती हैं।

भारत के 'मिल्क बाउल' की सुरक्षा: इस राष्ट्रीय दुग्ध दिवस पर अगली श्वेत क्रांति के केंद्र में पशु पोषण का होना क्यों आवश्यक है: कैप्टन (डॉ.) ए.वाई. राजेंद्र

मुंबई/पटना। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। वर्ष 2024-25 में देश में दूध का उत्पादन 247.87 मिलियन टन तक पहुंच गया।[1] लेकिन इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए केवल उत्पादन के आंकड़े पर्याप्त नहीं होंगे। इसके लिए यह भी जरूरी होगा कि पशुओं को उनके जीवन के हर चरण में उचित पोषण मिले। शुरूआती विकास से लेकर दूध देने के दो दौर के बीच की अवधि तक पशुओं का पोषण उनकी उत्पादकता को प्रभावित करता है। दूध बाजार तक पहुंचने से काफी पहले पशुओं को खिलाने के लिए किए गए फैसले ही भारत के डेयरी क्षेत्र की भविष्य की उत्पादकता तय करेंगे। भारत का डेयरी क्षेत्र लाखों छोटे किसानों पर आधारित है, जिनमें से प्रत्येक कुछ पशुओं का पालन करता है। इस व्यवस्था ने डेयरी उद्योग के विकास में अहम भूमिका निभाई है, लेकिन चारा, पानी और जमीन जैसे सीमित संसाधनों के कारण अब प्रति पशु उत्पादकता बढ़ाना पहले से ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है।

बोईसर-नवापूर मार्ग पर भीषण सड़क हादसा, तीन विद्यार्थियों की दर्दनाक मौत

ट्रक व दोपहिया वाहन की जोरदार भिड़ंत में तीनों ने मौके पर तोड़ा दम, गणेश नगर में पसरा मातम

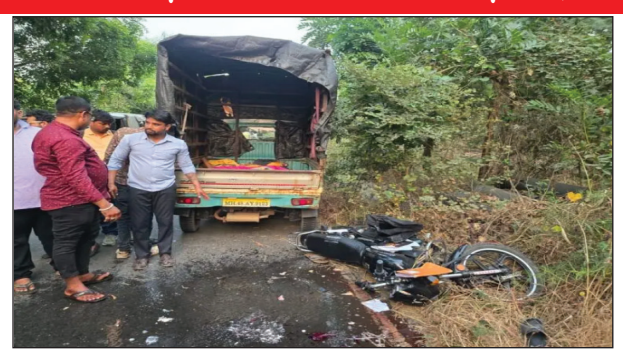

पालघर(उत्तरशक्ति)। बोईसर-नवापूर मार्ग पर पाम टेंभी गांव के समीप मंगलवार शाम एक भीषण सड़क हादसे में दोपहिया वाहन सवार तीन विद्यार्थियों की दर्दनाक मौत हो गई। ट्रक और मोटरसाइकिल के बीच हुई जोरदार भिड़ंत इतनी भयावह थी कि तीनों विद्यार्थियों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। इस हृदयविदारक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम करीब 5:30 बजे तीनों विद्यार्थी एक ही दोपहिया वाहन पर सवार होकर नांदगांव-आलेवाडी समुद्र तट पर घूमने जा रहे थे। इसी दौरान पाम टेंभी गांव की सीमा में उनकी मोटरसाइकिल की नवापूर की ओर जा रहे एक ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों विद्यार्थी सड़क पर दूर जा गिरे और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन को घटनास्थल पर ही छोड़कर फरार हो गया। हादसे में जान गंवाने वाले विद्यार्थियों की पहचान मोहित राकेश वर्मा, रवि विजय गुप्ता और नयना महातो के रूप में हुई है। इनमें मोहित कक्षा 12वीं में, जबकि रवि व नयना कक्षा 10वीं में पढ़ाई कर रहे थे। तीनों विद्यार्थी बोईसर के गणेश नगर क्षेत्र के निवासी थे। घटना की सूचना मिलते ही बोईसर और सातपाटी पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने घटनास्थल का पंचनामा कर तीनों शवों को अपने कब्जे में लिया तथा पोस्टमार्टम के लिए तारापुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया।

पुलिस के अनुसार मामले में अपराध दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है और फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। हादसे में तीन होनहार विद्यार्थियों की असमय मौत से गणेश नगर क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है। जिस उम्र में इन विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान मिलनी थी, उसी उम्र में उनकी जिंदगी का सफर थम जाने से हर कोई गमगीन है।

मलाड में श्रीमद् भागवत कथा के पवित्र स्थान का भूमिपूजन संपन्न



मुंबई (उत्तरशक्ति)। 28 नवंबर से आरंभ होने वाली कथाकार परम पूज्य श्री चिन्मयानंद जी की वाणी से श्रीमद् भागवत कथा के पवित्र स्थान का भूमि पूजन एवं ध्वज के अनावरण का कार्यक्रम आज सुबह मलाड पश्चिम गोरस वाड़ी मैदान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य संयोजक नगरसेवक योगेश वर्मा, उत्तर मुंबई भाजपा अध्यक्ष एवं नगरसेवक बाला तावड़े , नगर सेवक संजय कांबले , गंगाराम जमनानी, राज नायर, राजकुमार सोनी, श्याम व्यास, संजय मोदी , जीतू सोनी , गोपाल अग्रवाल , आनंद सिंह, मनीष पांडे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महिला सशक्तीकरण केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी: उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

नागपुर। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने बुधवार को कहा कि महिला सशक्तीकरण सरकारों, विश्वविद्यालयों, उद्योग जगत, नागरिक समाज और परिवारों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वविद्यालयों से महिलाओं को कौशल हासिल करने, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने और नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए तैयार करने में मदद करने का आग्रह किया। राधाकृष्णन राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में 'स्वयंसिद्धा' पहल के तहत आयोजित पहले राष्ट्रीय सम्मेलन 'विजया : शिक्षा के माध्यम से सशक्तीकरण का सफर' के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान शुरू किए गए 'स्वयंसिद्धा' कार्यक्रम की परिकल्पना उच्च शिक्षण संस्थानों को महिला सशक्तीकरण की प्रक्रिया से सीधे जोड़ने के उद्देश्य से की गई थी।राधाकृष्णन ने कहा, "शिक्षा को महिलाओं के लिए कक्षाओं से निकलकर शोध, पेशेवर करियर, प्रशासन और संस्थागत निर्णय लेने की प्रक्रियाओं तक पहुंचने के रास्ते खोलने चाहिए। विश्वविद्यालयों को महिलाओं को कौशल हासिल करने, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने, आत्मविश्वास बढ़ाने और नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए तैयार करने में मदद करनी चाहिए।'

' उन्होंने विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से विद्यार्थियों की जरूरतों को पहचानने का भी आग्रह किया।उन्होंने कहा कि खासतौर पर ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों या आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों को डिजिटल सुविधाओं, करियर मार्गदर्शन और कौशल प्रशिक्षण तक पहुंच उपलब्ध कराई जानी चाहिए

अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जयेश ट्रेनिंग क्लासेस का शानदार प्रदर्शन



मुंबई (उत्तरशक्ति)। पुणे के श्री छत्रपति शिवाजी महाराज खेल परिसर, बालेवाड़ी में 20 से 25 नवंबर तक आयोजित इंडिया ओपन अंतरराष्ट्रीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2026 में मुंबई के जयेश ट्रेनिंग क्लासेस के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और कांस्य पदक हासिल किए। अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की उत्कृष्ट प्रतिभा और शानदार प्रदर्शन से जयेश ट्रेनिंग क्लासेस का गौरव बढ़ा है।

इस प्रतियोगिता में भारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ दुनिया के कई देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। कड़े मुकाबलों के बीच जयेश ट्रेनिंग क्लासेस के खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास के दम पर पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

14 वर्ष से कम आयु वर्ग की बालिकाओं की टीम पूमसे (व-14 Female Group Poomsae) स्पर्धा में संस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। इस स्पर्धा में तनिष्का जयेश वेल्हाळ, भुविका पुजारी और देशना रमानी ने बेहतरीन तालमेल और कौशल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

वहीं स्वरा गोडबोले, तनिष्का हाके और आर्या चव्हाण ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कांस्य पदक हासिल किया। इन खिलाड़ियों को जयेश ट्रेनिंग क्लासेस के मुख्य प्रशिक्षक मास्टर जयेश वेल्हाळ का मार्गदर्शन मिला। प्रशिक्षक यश दळवी, विक्रांत देसाई और स्वप्निल शिंदे ने खिलाड़ियों को तकनीकी प्रशिक्षण, शारीरिक क्षमता, अनुशासन और नियमित अभ्यास के माध्यम से प्रतियोगिता के लिए तैयार किया था। इस उल्लेखनीय सफलता पर इंडिया ताइक्वांडो के अध्यक्ष नामदेव शिरगावकर और महाराष्ट्र ताइक्वांडो के अध्यक्ष संदीप ओंबासे ने मास्टर जयेश वेल्हाळ सहित सभी पदक विजेता खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों का अभिनंदन किया। साथ ही भविष्य में भी इसी तरह शानदार प्रदर्शन कर देश और संस्थान का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्तिक पूर्णिमा पर बाणगंगा तीर्थक्षेत्र में भव्य महाआरती



मुंबई (उत्तरशक्ति)। कार्तिक पूर्णिमा (त्रिपुरी पूर्णिमा) के पावन अवसर पर मुंबई के ऐतिहासिक वालकेश्वर स्थित बाणगंगा तीर्थक्षेत्र में आयोजित भव्य महाआरती समारोह में महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री मंगल प्रभातजी लोढ़ा एवं डॉ. मंजू मंगल प्रभात लोढ़ा उपस्थित रहे।इस अवसर पर पवित्र बाणगंगा सरोवर के तट पर धार्मिक अनुष्ठानों एवं महाआरती का आयोजन किया गया। दीपों की रोशनी से सजे तीर्थ परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और आरती की गूंज ने वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। श्रद्धालुओं ने भक्ति एवं श्रद्धा के साथ महाआरती में सहभागिता की। दीपों की आभा और सामूहिक प्रार्थना ने इस आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की।

कार्तिक पूर्णिमा का भारतीय संस्कृति में विशेष धार्मिक महत्व है। त्रिपुरासुर पर भगवान शिव की विजय की स्मृति में मनाई जाने वाली त्रिपुरी पूर्णिमा धर्म, आस्था और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक मानी जाती है। इस दिन दीपदान और आराधना की विशेष परंपरा है। डॉ. मंजू मंगल प्रभात लोढ़ा , लोढ़ा फाउंडेशन की चेयरपर्सन, महाराष्ट्र हिंदी साहित्य अकादमी की उपाध्यक्ष, लेखिका, कवयित्री, मोटिवेशनल स्पीकर एवं समाजसेवी हैं। उनकी पुस्तक परमवीर चक्र अवॉर्ड डायरी भारतीय सैनिकों के शौर्य एवं बलिदान को समर्पित है। लोढ़ा फाउंडेशन के माध्यम से वे शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तीकरण और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में विभिन्न पहलों का नेतृत्व कर रही हैं। ऐतिहासिक बाणगंगा तीर्थक्षेत्र में आयोजित यह महाआरती मुंबई की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ने का एक विशेष अवसर बनी।

एक महीने में उमेद मार्ट ने किया 3 लाख रुपये का कारोबार



पालघर(उत्तरशक्ति)। ग्रामीण महिलाओं के हुनर और मेहनत को बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में पालघर जिले के उमेद मार्ट ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। 17 अक्टूबर 2026 को उद्घाटन के बाद महज एक महीने के भीतर इस मार्ट ने 3 लाख रुपये का कारोबार किया है। इस उपलब्धि की सराहना करते हुए महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण जीवनोन्नति अभियान (MSRLM), बेलापुर कक्ष के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीधर डुबे पाटील ने 24 नवंबर को उमेद मार्ट का सदिच्छा दौरा किया और महिला स्वयं सहायता समूहों के साथ अभियान की पूरी टीम की प्रशंसा की।

पालघर तहसील के सरावली स्थित आरोही महिला प्रभाग संघ के माध्यम से इस उमेद मार्ट का सफल संचालन किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किये गये स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराना तथा महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। उद्घाटन के महज एक महीने के भीतर 3 लाख रुपये का कारोबार होना स्थानीय उत्पादों की गुणवत्ता और ग्राहकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। दौरे के दौरान श्रीधर डुबे पाटील ने मार्ट में बिक्री के लिए रखे गये विभिन्न स्थानीय उत्पादों का निरीक्षण किया। उन्होंने उत्पादों की गुणवत्ता, विविधता और बिक्री व्यवस्था की जानकारी ली। साथ ही उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के लिए उनकी ब्रांडिंग, मार्केटिंग और बिक्री बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि यदि ग्रामीण महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों की बेहतर ब्रांडिंग और प्रभावी विपणन किया जाए तो उन्हें बड़े बाजार तक पहुंचाया जा सकता है, जिससे महिलाओं के लिए रोजगार और आय के नये अवसर पैदा होंगे।

इस अवसर पर श्रीधर डुबे पाटील ने कहा कि उमेद मार्ट ग्रामीण महिलाओं की मेहनत, हुनर और उद्यमशीलता को बाजार उपलब्ध कराने वाला महत्वपूर्ण मंच है। महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को अधिक से अधिक ग्राहकों तक पहुंचाने और उनके आर्थिक सशक्तीकरण के लिए उमेद अभियान हमेशा सहयोग करता रहेगा। उमेद मार्ट के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए एक स्थायी मंच मिला है।

महज एक महीने में 3 लाख रुपये का कारोबार इस पहल की सफलता को दर्शाता है। इस उपक्रम से महिलाओं को रोजगार के अवसर मिलने के साथ ही उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस अवसर पर पालघर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं परियोजना संचालक (DRDA) राजेंद्र पाटील, जिला अभियान प्रबंधक (DMM) रवी बोबडे, तहसील अभियान प्रबंधक (BMM) राजश्री माने सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी और आरोही महिला प्रभाग संघ की सदस्य महिलाएं उपस्थित थीं।

माता-पिता का सपना साकार करते हुए पायलट बने अंशुमन चतुर्वेदी



मुंबई (उत्तरशक्ति)। माता-पिता के त्याग, संघर्ष और आशीर्वाद से मिली सफलता का वास्तविक सुख तब और बढ़ जाता है, जब संतान अपनी उपलब्धियों में उन्हें भी सहभागी बनाती है। ऐसा ही भावुक पल पायलट अंशुमन चतुर्वेदी के जीवन में आया, जब उन्होंने अपने माता-पिता राजनाथ चतुर्वेदी और साधना चतुर्वेदी को पहली बार दिल्ली से वाराणसी तक हवाई यात्रा कराई। एक पायलट के रूप में अंशुमन के लिए यह यात्रा केवल एक शहर से दूसरे शहर तक का सफर नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष और माता-पिता के त्याग से साकार हुए सपनों का यादगार क्षण था। उन्होंने अपने भावुक संदेश में कहा कि पायलट के जीवन में दो दिन सबसे खास होते हैं—पहला, जब वह पहली बार विमान उड़ाता है और दूसरा, जब अपने सपनों की उड़ान में परिवार को भी साथ ले जाता है। अंशुमन ने अपने दादा-दादी को भी याद करते हुए कहा कि परिवार से मिले संस्कार, शिक्षा और बड़ों का आशीर्वाद ही उनकी सफलता की सबसे बड़ी पूंजी हैं। जिन माता-पिता ने उन्हें चलना सिखाया, आज उन्हें अपने साथ आसमान की सैर कराना उनके लिए गर्व और खुशी का अविस्मरणीय पल है। अंशुमन चतुर्वेदी की यह उपलब्धि युवा पीढ़ी को संदेश देती है कि सफलता की दौड़ में माता-पिता के त्याग और संघर्ष को कभी नहीं भूलना चाहिए। उनकी मेहनत, विश्वास और आशीर्वाद ही बच्चों की सफलता की मजबूत नींव होते हैं। उनकी यह उड़ान केवल आसमान की ऊंचाइयों तक पहुंचने की कहानी नहीं, बल्कि माता-पिता के प्रति सम्मान, पारिवारिक संस्कारों और कृतज्ञता की एक प्रेरणादायक मिसाल है।

56 लोगों को फूड पॉइजनिंग के बाद मनपा का अतिक्रमण विरोधी अभियान शुरू

आचार्य सूरजपाल यादव



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शहर में चिकन शोरमा खाने से 56 लोगों के फूड पॉइजनिंग का शिकार होने की घटना के बाद भिवंडी महानगरपालिका प्रशासन हरकत में आ गया है। सोमवार को वंजारपट्टी नाका स्थित ए.के. चिकन शोरमा सेंटर का शोरमा खाने के बाद बड़ी संख्या में लोगों की तबीयत बिगड़ने के मामले को गंभीरता से लेते हुए मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने अवैध खाद्य विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसी के तहत बुधवार, 25 नवंबर को प्रभाग समिति क्रमांक-2 के अंतर्गत पुराने जकात नाका से केजीएन चौक, शांतीनगर तक मनपा के अतिक्रमण विरोधी दस्ते ने व्यापक कार्रवाई की। इस दौरान सड़क और नालों पर अतिक्रमण कर लगाए गए शोरमा एवं चिकन विक्रेताओं के ठेले, खाद्य पदार्थों की दुकानें, हाथगाड़ियां और अस्थायी टपरियों को जेसीबी की सहायता से हटाया गया। कार्रवाई के दौरान अवैध निर्माण और अतिक्रमणों को निष्कासित किया गया। यह अभियान शांतीनगर पुलिस स्टेशन के पुलिस बंदोबस्त में चलाया गया, ताकि कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो। अभियान का नेतृत्व सहायक आयुक्त सईद चिवणे ने किया। इस दौरान बीट निरीक्षक रमाकांत म्हात्रे, धनराज पाटिल, लाइसेंस विभाग के कर्मचारी मंगेश गायकवाड़ तथा प्रभाग समिति क्रमांक-2 के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। शहर में खाद्य विषाक्तता की गंभीर घटना के बाद मनपा की इस कार्रवाई से अवैध रूप से सड़क और नालों पर दुकानें लगाने वाले विक्रेताओं में हड़कंप मच गया है। नागरिकों की सुरक्षा, स्वच्छता और सार्वजनिक रास्तों को अतिक्रमण मुक्त रखने के उद्देश्य से प्रशासन ने यह कदम उठाया है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com



स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

विद्यार्थी संविधान की भावना को व्यवहार में उतारें: प्रो.राकेश सिंह

जनसंचार विभाग ने किया संविधान दिवस पर विशेष आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संविधान दिवस की पूर्व संध्या पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग ने बुधवार को स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में विशेष आयोजन किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने श्रद्धा भाव से भारतीय संविधान की मूल प्रति का अवलोकन किया।

कुलपति ने की संविधान की मूल प्रति का अवलोकन

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर राकेश कुमार सिंह ने कहा कि संविधान देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की आत्मा है। उन्होंने छात्रों से कहा कि उन्हें संविधान के अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों को भी समझना चाहिए और समानता, न्याय, स्वतंत्रता तथा भाईचारे के मूल्यों का पालन करते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी संविधान की भावना को व्यवहार में उतारकर ही एक सशक्त, संवेदनशील और जवाबदेह लोकतंत्र का निर्माण कर सकती है। कुलपति ने जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में संवैधानिक चेतना जागृत करने में सहायक होते हैं।

आयोजन में दंतोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान के असिस्टेंट प्रोफेसर राहुल राय और डॉ. राजित राम सोनकर ने संविधान की मूल प्रति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने संविधान की प्रस्तावना, इसके मूल ढांचे और स्वतंत्रता के बाद हुए संवैधानिक संशोधनों की प्रक्रिया से उपस्थित छात्रों को अवगत कराया।



शिक्षकों ने बताया कि संविधान केवल कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि लोकतंत्र, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और नागरिक अधिकारों का जीवंत दस्तावेज है।

कार्यक्रम का उद्देश्य संविधान दिवस से पहले छात्रों को संविधान की मूल प्रति, उसकी प्रस्तावना और संशोधनों की प्रक्रिया से जोड़ना था। जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग का मानना है कि पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए संविधान, अधिकार, स्वतंत्र अभिव्यक्ति और लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। आयोजन में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, राहुल राय. डॉ. राजित राम सोनकर, डॉ. इंद्रेश कुमार समेत लाइब्रेरी में अद्ययनरत विद्यार्थी उपस्थित रहे।

2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए तैयार है सर्वसमाज: मोहम्मद अरशद खान

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि उत्तर प्रदेश का सर्वसमाज 2027 में अखिलेश यादव को पुनः मुख्यमंत्री बनाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली 2012-2017 की समाजवादी सरकार ने एक्सप्रेस-वे, मेट्रो, लैपटॉप वितरण, 108 एंबुलेंस, 1090 महिला पावर लाइन और कन्या विद्या धन जैसी योजनाओं के माध्यम से विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए थे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में नौजवान बेरोजगारी, किसान अपनी उपज के उचित मूल्य और व्यापारी महंगाई से परेशान हैं। प्रदेश की जनता अब विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय और भाईचारे वाली सरकार चाहती है।

अरशद खान ने कहा कि समाजवादी पार्टी PDA की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए सर्वसमाज को साथ लेकर आगे बढ़ेगी। 2027 में अखिलेश यादव के नेतृत्व में विकास और सामाजिक न्याय की सरकार बनाना पार्टी का संकल्प है।

निबंध प्रतियोगिता में आयुष और प्रश्नोत्तरी में आयुष कुमार रहे प्रथम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में निर्वाचन साक्षरता क्लब के अंतर्गत आयोजित निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। प्रतियोगिताओं में विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित अपनी जानकारी एवं जागरूकता का परिचय दिया।

निबंध प्रतियोगिता में बीसीए प्रथम वर्ष के आयुष यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बीटेक कंप्यूटर साइंस चतुर्थ वर्ष के आयुष कुमार यादव द्वितीय स्थान पर रहे। वहीं, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बीटेक कंप्यूटर साइंस चतुर्थ वर्ष के आयुष कुमार यादव ने प्रथम स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में बीटेक कंप्यूटर साइंस तृतीय वर्ष के अमित कुमार यादव एवं बीसीए प्रथम वर्ष के आयुष द्विवेदी ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिताओं में मतदाता सूची का महत्व, उसमें नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया, भारत निर्वाचन आयोग की भूमिका, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम), वोटर वेरिफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट), मतदान प्रक्रिया एवं मतगणना जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल किए गए। इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों को निर्वाचन प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ लोकतांत्रिक व्यवस्था में उनकी सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करना था।

इस अवसर पर संकाय अध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि मतदाता जागरूकता लोकतंत्र की मजबूती का महत्वपूर्ण आधार है। युवाओं को मतदान के महत्व के साथ अपने संवैधानिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक होना चाहिए। शैक्षणिक संस्थानों में इस प्रकार के आयोजन जिम्मेदार और जागरूक नागरिक तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

निर्वाचन साक्षरता क्लब के संकाय समन्वयक डॉ. प्रेमचंद यादव एवं श्री आदित्य जायसवाल ने विद्यार्थियों की सहभागिता की सराहना की।

विपक्ष अकेले लड़े या सब मिलकर, 2047 तक भाजपा कहीं जाने वाली नहीं: केशव मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्षी दलों को चुनौती देते हुए बड़ा राजनीतिक दावा किया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियां अकेले चुनाव लड़ें या सभी एकजुट होकर मैदान में उतरें, भाजपा 2047 तक सत्ता से जाने वाली नहीं है। 2027 चुनाव में बीजेपी जौनपुर में पिछले चुनाव की तुलना में दो गुनी सीट जीतेगी।

मुख्यमंत्री चेहरे पर बोले डिप्टी सीएम- चुनाव में कमल ही होगा चेहरा, नतीजों के बाद सर्वसम्मति से होगा सीएम के नाम का ऐलान

वहीं, वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव में भाजपा का चुनाव चिह्न कमल ही चेहरा होगा। चुनाव परिणाम आने के बाद पार्टी की बैठक में सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान किया जाएगा। डिप्टी सीएम के इस बयान को आगामी विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की राजनीतिक रणनीति और विपक्ष के गठबंधन की संभावनाओं पर सीधे संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

देव दीपावली पर बेलवाई मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं ने दीपदान किया

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थित सिद्धपीठ श्री भुवनेश्वरनाथ महादेव मंदिर शिवधाम बेलवाई में देव दीपावली और देवदीप मानव उत्थान सेवा समिति के स्थापना दिवस पर दीपोत्सव हुआ। हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में दीपदान कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। काशी और अयोध्या के बीच चार जनपदों की सीमाओं के पास स्थित इस धार्मिक स्थल पर दीपोत्सव के दौरान भक्तिमय माहौल रहा। श्रद्धालुओं की भागीदारी से मंदिर परिसर दीपों से जगमगा उठा। कार्यक्रम में श्रीरामचरितमानस पाठ और सुंदरकांड का आयोजन किया गया। बाबा भुवनेश्वरनाथ का श्रृंगार भी किया गया। श्री कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं ने रंगोली बनाई। समापन पर बाबा भुवनेश्वरनाथ की पूजा-अर्चना और आरती की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद बांटा गया। कार्यक्रम में सहयोग करने वाले बच्चों को मंदिर के पुजारी सुदामा गिरी ने सम्मानित किया। आयोजन में बाजार के बच्चों ने भी सहयोग किया। इस अवसर पर पूर्व प्रधान दिलीप मोदनवाल, बेलवाई चौकी प्रभारी अमित सिंह, पुलिस बल और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय शिवभक्त मौजूद रहे।



आबादी की जमीन को लेकर तीन लोगों में मारपीट

दिलशाद अहमद सानू

तेजीबाजार, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेजीबाजार थाना क्षेत्र के धनौवा गांव में आबादी की जमीन को लेकर मारपीट हुई। शेष बहादुर सिंह के हाथ में चोट आई। पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। शेष बहादुर सिंह, रामनरेश सिंह के बेटे और धनौवा गांव के निवासी हैं। उन्होंने तेजीबाजार थाने में लिखित शिकायत दी। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि सूरज सिंह, महेंद्र सिंह और नीलम देवी ने उनके साथ मारपीट की। सूरज सिंह और नीलम देवी, नरेंद्र सिंह के बेटे और पत्नी हैं। थानाध्यक्ष सतेंद्र भाई पटेल ने बताया कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया गया है। शेष बहादुर सिंह का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

विश्वविद्यालय परिसर में जलभराव की समस्या दूर करने के लिए विशेषज्ञों ने किया मंथन

कुलपति प्रो.राकेश कुमार सिंह ने विशेषज्ञों के साथ परिसर के विभिन्न स्थानों का किया निरीक्षण, बारिश के पानी की निकासी के स्थायी समाधान पर पहल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में बारिश के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने पहल शुरू कर दी है। बुधवार को कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विशेषज्ञों एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान बारिश के पानी की निकासी की मौजूदा व्यवस्था, नालियों, जलभराव वाले स्थानों तथा पानी के बहाव की स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण करने वाली विशेषज्ञ टीम में प्रो. एस. पी. शुक्ला, निदेशक, सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज, इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी लखनऊ, के साथ डॉ. सुमित गांधी एवं डॉ. इंद्रजीत शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने कहा कि बरसात के समय परिसर में कई जगह पानी जमा हो जाता है, जिससे आवागमन में परेशानी होती है। इस समस्या का स्थायी समाधान जरूरी है। उन्होंने विशेषज्ञों से पूरे परिसर का तकनीकी अध्ययन कर ऐसी ड्रेनेज व्यवस्था तैयार करने को कहा, जिससे बारिश का पानी आसानी से निकल सके और कहीं जलभराव न हो। इसके लिए परिसर की ढलान, नालियों की स्थिति तथा पानी के बहाव को ध्यान में रखकर बेहतर जल निकासी योजना बनाने पर चर्चा हुई। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में जल निकासी की व्यवस्था को बेहतर एवं व्यवस्थित बनाना प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ड्रेनेज योजना तैयार करते समय तकनीकी विशेषज्ञों की सलाह को महत्व दिया जाए, ताकि बारिश के पानी की निकासी सुचारु हो और भविष्य में जलभराव की समस्या से निजात मिल सके। निरीक्षण में प्रो. अविनाश, प्रो.प्रमोद यादव, प्रो. अजय प्रताप सिंह, विश्वविद्यालय के इंजीनियर आरके सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।



शिक्षा के क्षेत्र में श्री विश्वनाथ शिक्षण संस्थान का सराहनीय कार्य: चित्रसेन सिंह

सुल्तानपुर (उत्तरशक्ति)। सभी बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई, समान अवसर और बेहतर संसाधन पहुँचाकर श्री विश्वनाथ शिक्षण संस्थान, कलान शिक्षा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है। संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष तथा मुंबई के वरिष्ठ समाजसेवी और उद्योगपति चित्रसेन सिंह ने संस्थान के प्रबंधक भोलानाथ सिंह से की गई मुलाकात के दौरान उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि भोलानाथ सिंह शिक्षण महर्षि हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत से यह विशाल संस्थान खड़ा किया। यह शिक्षा के क्षेत्र में उनकी सतत तपस्या का परिचायक है। इस अवसर पर जगत नारायण सिंह भी उपस्थित रहे।



5 मार्च, 2005 को जब इस संस्थान की नींव डाली गई, तो किसी को भी सपने में उम्मीद नहीं थी कि कुछ ही वर्षों में यह संस्थान इतना विशाल स्वरूप प्राप्त कर लेगा। आज इस संस्थान में विभिन्न संकाय के हजारों विद्यार्थी उत्कृष्ट शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं । शिक्षण संस्थान के अंतर्गत श्री विश्वनाथ पीजी कॉलेज, पार्वती महिला महाविद्यालय, श्री विश्वनाथ इंटर कॉलेज, शिवव्रत इंटर कॉलेज, विधि महाविद्यालय, पॉलिटेक्निक कॉलेज, आईटीआई कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। शिक्षण संस्थान के संचालन में भोलानाथ सिंह के सुपुत्र शशि प्रकाश सिंह और डॉ. वेद प्रकाश सिंह का महत्वपूर्ण योगदान है। शिक्षण संस्थान के विद्यार्थी विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रदेश तथा राष्ट्र स्तर की अनेक प्रतियोगिताओं में नाम रोशन कर रहे हैं।

राजकीय शिक्षक संघ सोनभद्र का द्विवर्षीय अधिवेशन सम्पन्न, डॉ.राजन चतुर्वेदी तीसरी बार बने जिलाध्यक्ष

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। राजकीय इंटर कॉलेज पिपरी में रविवार, 22 नवंबर 2026 को



राजकीय शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश का जनपदीय द्विवर्षीय अधिवेशन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद राम शकल ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संगठन का मजबूत होना बेहद जरूरी है।

अधिवेशन में सर्वसम्मति से नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें डॉ. राजन चतुर्वेदी लगातार तीसरी बार जिलाध्यक्ष तथा अजीत सिंह लगातार दूसरी बार जिला मंत्री निर्वाचित हुए।

अन्य पदाधिकारियों में वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद प्रजापति एवं उपमा बैस, उपाध्यक्ष बृजेश कुमार सिंह एवं डॉ. प्रीति शर्मा, उपमंत्री अनीता रानी एवं देवेंद्र प्रजापति, संयुक्त मंत्री अभिनव राय एवं गीता सरोज, संगठन मंत्री साधू शरण यादव एवं कृष्ण कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारी चुने गए। डॉ. सदानंद तिवारी को मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी गई।

इस अवसर पर प्रांतीय महामंत्री डॉ. अशोक कुमार अवाक, डॉ. विजय भारतीय सिंह, वेद प्रकाश राय सहित कई प्रांतीय एवं मंडलीय पदाधिकारी मौजूद रहे। चुनाव पर्यवेक्षक की भूमिका डॉ. अमर सिंह ने निभाई।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए डॉ. अशोक कुमार अवाक ने विश्वास जताया कि नई कार्यकारिणी शिक्षकों की समस्याओं के समाधान, शिक्षक हितों की रक्षा और शैक्षिक वातावरण को बेहतर बनाने के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करेगी।

बदलापुर के रोजगार सेवकों ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

मानदेय, बकाया भुगतान और सेवा सुरक्षा की मांग, 3 दिसंबर को लखनऊ में धरना-प्रदर्शन

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ग्राम रोजगार सेवकों ने बुधवार दोपहर करीब 12 बजे खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मानदेय, बकाया भुगतान और सेवा सुरक्षा से जुड़ी मांगें रखीं। ग्राम रोजगार सेवक संघ के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर सभी ग्राम रोजगार सेवकों ने यह ज्ञापन दिया। संघ के अध्यक्ष ओम प्रकाश मिश्र ने इसका नेतृत्व किया। ज्ञापन में कहा गया कि ग्राम रोजगार सेवक 20 साल से मनरेगा योजना चलाने और ग्रामीण इलाकों में रोजगार सृजन का काम कर रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें समय पर मानदेय नहीं मिल रहा है। उनका बकाया मानदेय लंबित है और उन्हें सेवा सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं भी हैं। रोजगार सेवकों ने मानदेय का नियमित और समय पर भुगतान करने, लंबित बकाया मानदेय और ईपीएफ (EPF) का जल्द भुगतान कराने तथा सेवा सुरक्षा के साथ सम्मानजनक मानदेय देने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी नहीं हुईं तो प्रदेश नेतृत्व के फैसले के मुताबिक विशेष रोजगार सृजन सप्ताह का बहिष्कार करेंगे। साथ ही, 3 दिसंबर को लखनऊ में प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन में शामिल होंगे।ज्ञापन सौंपने के दौरान साहबलाल, विद्याकांत शुक्ल, अशोक मौर्य, राकेश, मनोज, सुनील, संदीप यादव, विनोद यादव, राजेंद्र कुमार, संतोष मौर्य, लालमणि, पिंकी, सीमा, बृजलाल और सुभाष यादव सहित अन्य ग्राम रोजगार सेवक मौजूद रहे।



गुरुनानक जयंती पर लायंस क्लब जौनपुर रॉयल ने पंचप्यारों का किया सम्मान

350 जलपान पैकेट वितरित

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । गुरु नानक देव जी की जयंती के पावन अवसर पर लायंस क्लब जौनपुर रॉयल की ओर से प्रभात फेरी एवं शोभायात्रा के दौरान पंच प्यारों का सम्मान किया गया। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था करते हुए 350 पैकेट वितरित किए गए।

इस अवसर पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा कि ऐसे सेवा एवं सम्मान के कार्यक्रम समाज में एकता, भाईचारे और सद्भाव को बढ़ावा देते हैं। पूर्व अध्यक्ष मधुसूदन बैंकर ने पंच प्यारों का सम्मान करते हुए क्लब के सेवा कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम का उद्देश्य गुरु नानक देव जी के प्रेम, सेवा और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना रहा। गुरु नानक देव समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने लायंस क्लब जौनपुर रॉयल के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर अभिषेक बैंकर, अभिषेक जायसवाल, शशि गुप्ता, सनी चौधरी, प्रदीप प्रधान, संस्था सचिव आशीष गुप्ता, कोषाध्यक्ष राजेंद्र स्वर्णकार सहित क्लब के तमाम सदस्य उपस्थित रहे।



बघन्दरा में अराजक तत्वों ने सरकारी संपत्ति को बनाया निशाना, सोलर लाइट तोड़ी, पानी की टंकी व कुर्सी भी क्षतिग्रस्त

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड धमार्पुर की ग्राम पंचायत बघन्दरा में अराजक तत्वों द्वारा सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। गांव के आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में लगी सोलर स्ट्रीट लाइट को तोड़कर बगल की नहर में फेंक दिया गया। इसके अलावा परिसर में स्थापित पानी की टंकी और ग्रामीणों के बैठने के लिए लगाई गई सीमेंट की कुर्सी को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया।



घटना की जानकारी होने पर ग्राम प्रधान नीरज यादव ने तत्काल डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर सोलर लाइट का क्षतिग्रस्त पोल और अन्य सामान बिखरा पड़ा मिला।

इस घटना से ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कर सरकारी एवं सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले लोगों की पहचान करने तथा उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। बताया जा रहा है कि यह मामला थाना गौराबादशाहपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत बघन्दरा का है।

संविधान दिवस की पूर्व संध्या पर डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र ने किया संविधान के मूल्यों का स्मरण

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के तत्वावधान में संविधान दिवस की पूर्व संध्या पर संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्री जगजीवन सिंह एडवोकेट ने की तथा संचालन महामंत्री श्री राजेंद्र कुमार यादव एडवोकेट ने किया। संविधान दिवस पर वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पत्रकार श्री राम प्रसाद यादव एडवोकेट जी को संविधान दिवस पर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।



कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री अरुण कुमार सिंह एडवोकेट ने कहा कि भारतीय संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा है। संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, न्याय एवं गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार प्रदान किया है। संविधान के प्रति सम्मान और उसके आदर्शों का पालन करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं संवैधानिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता समाज संविधान और कानून के शासन की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संविधान केवल शासन चलाने का दस्तावेज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक व्यवस्था का मजबूत आधार है। संविधान की प्रस्तावना में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुता के आदर्शों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि संविधान ने समाज के वंचित, शोषित, गरीब एवं कमजोर वर्गों को सम्मानपूर्वक जीवन जीने और अपने अधिकारों की रक्षा करने का संवैधानिक आधार दिया है। संचालन उपाध्यक्ष संतोष कुमार यादव एडवोकेट ने किया।

संविधान दिवस की पूर्व संध्या पर चौधरी यशवंत सिंह, राजेश कुमार यादव, प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, शाहनवाज आलम खान,कामता प्रसाद, रामगुल्ली, चतुर्भुज शर्मा, दसरथ यादव, उपेंद्रनाथ, टीटू प्रसाद गुप्ता, रोहित यादव लाल बहादुर पाल आदि अधिवक्तागण उपस्थित रहे।



ग्लोबल सिटी में पानी की समस्या को लेकर विधायक राजन नाईक सक्रिय



विरार। विरार पश्चिम के तिरुपति फेज-1 और फेज-2 तथा ग्लोबल सिटी क्षेत्र की विभिन्न सोसायटियों में पानी की समस्या को लेकर नालासोपारा विधायक राजन नाईक ने सक्रियता दिखाई है। इस संबंध में उन्होंने वसई-विरार शहर महानगरपालिका के आयुक्त पृथ्वीराज बी.पी. के साथ बैठक कर जलापूर्ति की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में क्षेत्र के नागरिकों को नियमित और पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने, जलापूर्ति व्यवस्था में सुधार करने तथा पानी की समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की गई। विधायक राजन नाईक ने संबंधित अधिकारियों से इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया। इस बैठक में मनपा के विपक्षी नेता मनोज पाटिल, ग्रुप लीडर अशोक शेल्के, बोर्ड अध्यक्ष विशाल राउत, नगरसेविका सान्वी येंडे, रीमा वाघ, नगरसेवक रवि पुरोहित, जितेश राउत, अभय कक्कड़, मयूरेश वाघ सहित विभिन्न सोसायटियों के पदाधिकारी एवं महानगरपालिका के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। विधायक राजन नाईक ने स्पष्ट किया कि नागरिकों की बुनियादी समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है। तिरुपति और ग्लोबल सिटी क्षेत्र में पानी की समस्या दूर करने तथा नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के साथ लगातार फॉलोअप किया जाएगा।

पात्रों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाएं अधिकारी, किसानों को निर्बाध बिजली दें : केशव प्रसाद मौर्य



जौनपुर (उत्तरशक्ति) उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पुलिस लाइन सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विकास कार्यों एवं केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। विकास कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने खराब एवं जले ट्रांसफार्मरों को समय सीमा के भीतर बदलने, ओवरलोड ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने तथा बिजली बिल संबंधी शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को खेती और सिंचाई के लिए निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जाए। उप मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने से क्षतिग्रस्त सड़कों को तत्काल ठीक कराने तथा अंत्येष्टि स्थलों, उत्सव भवनों और सड़कों के निर्माण कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने लंबित निर्माण परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने थाना, ब्लॉक और तहसील स्तर पर आम जनता की समस्याओं का संवेदनशीलता से समाधान करने तथा पुलिस और राजस्व विभाग को आपसी समन्वय से राजस्व विवादों का निस्तारण करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि फरियादियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इससे पूर्व उप मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद कर क्षेत्र की समस्याओं और विकास संबंधी आवश्यकताओं की जानकारी ली। बैठक में राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव, राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, विधायक रमेश चंद्र मिश्रा, रमेश सिंह, डॉ. आरके पटेल, एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंशु, जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक नगर अनंत चंद्रशेखर, मुख्य विकास अधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

दादर पुल पर अज्ञात वाहन की चपेट में आया बाइक सवार

शाहगंज , जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज दादर पुल पर बुधवार सुबह बाइक सवार 21 वर्षीय अतुल कुमार की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मौत हो गई। बाइक पर पीछे बैठा उसका साथी आकाश दूर जा गिरा और बच गया। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। अतुल कुमार, सत्यदेव का बेटा था। वह आजमगढ़ जिले के दीदारगंज थाना क्षेत्र के मीर अहमदपुर शहजादा गांव का रहने वाला था। वह शाहगंज के एक निजी अस्पताल में नौकरी करता था। बुधवार सुबह अतुल अपने गांव के साथी आकाश, रत्नेश के बेटे, के साथ बाइक से जा रहा था। दादर पुल पर एक वाहन से आगे निकलने की कोशिश में बाइक अनियंत्रित हो गई। इसी दौरान अतुल सामने से आ रहे अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस फरार वाहन और उसके चालक की तलाश कर रही है।

रोहनिया विधायक ने 1 करोड़ 40 लाख रुपए के लागत की पांच विभिन्न मार्गों के इंटरलॉकिंग कार्य का किया शिलान्यास!



वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया विधानसभा क्षेत्र में विकास की कड़ी को गति प्रदान करते हुए रोहनिया विधायक डॉक्टर सुनील पटेल ने बुधवार को खनाव स्थित ग्रीन वैली कॉलोनी में ग्राम प्रधान पारसनाथ यादव की उपस्थिति में लगभग 1 करोड़ 40 लाख रुपए के लागत की पांच विभिन्न मार्गों के इंटरलॉकिंग कार्य का विधिवत हवन पूजन के साथ शिलान्यास किया। शिलान्यास किए गए कार्यों में ग्रीन वैली कॉलोनी खनाव में डॉ. उमाशंकर वर्मा के घर से डॉ. रामसखा के घर तक, मनियारीपुर में कलारी पटेल के घर से मग्गू पटेल के घर तक, हरिहरपुर में सनतकान्त पटेल के मकान से डीहबाबा मंदिर होते हुए पिच रोड तक, डाफी में स्वास्तिक बिल्डिंग मैटेरियल के पास से अरूण कुमार सिंह के मकान तक तथा विशाल नगर फेज-1 में प्रेम प्रकाश के घर से मनोज पाठक के घर तक इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण शामिल है। स्थानीय लोगों ने विकास कार्यों को क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात बताया। कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत ग्राम प्रधान पारसनाथ यादव ने किया। रोहनिया विधायक डॉक्टर सुनील पटेल ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। विकास कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इन सड़कों के बनने से कॉलोनी एवं गांव के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी तथा बरसात में जलभराव एवं कीचड़ की समस्या से राहत मिलेगी। इस दौरान अजित पटेल,उमेश पटेल,मानस सिंह,अमित पटेल, राजकुमार वर्मा, विनोद पटेल, श्याम बली पटेल, एक्सीयन प्रकाश कुमार, ठेकेदार जय सूर्यकांत तिवारी, शिव प्रताप सिंह, दीपक मिश्रा, प्रियांशु सिंह, आनंद विजय सिंह, अमित सिंह, डॉ. एच. एल. सिंह, कमलेश कुमार वर्मा, उमेश सिंह, आनंद सिंह इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

सहायक निरिक्षक रघुनाथ काशिनाथ दुधम हुए सेवानिवृत्त



मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका जी दक्षिण विभाग स्थित सं. निरीक्षण खाते में कार्यरत सं. निरिक्षक रघुनाथ काशिनाथ दुधम 21 वर्ष सेवा देने के उपरांत 30 नवंबर 2026 को सेवा निवृत्त हो रहे हैं जिनका सेवा निवृत्त सम्मान समारोह बुधवार 25 नवंबर 2026 को जी दक्षिण विभाग सभागृह में आयोजित किया गया। सेवा निवृत्त सत्कार मूर्ति रघुनाथ दुधम के विदाई समारोह में समारोह की अध्यक्षता स्वास्थ्य चिकित्सा विभाग के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संतोष गायकवाड़ ने किया तथा मुख्य अतिथि के रूप में प्रभाग समिति अध्यक्ष श्रीमती पद्मजा चेंबुरकर, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ साने सर,सहायक आरोग्य अधिकारी डॉ तड़वी, ए.एच.ओ. डॉ सचिन भोसले, डॉ मंगेश कुंभार,यूनिट आफिसर अविनाश मदने,डॉ संगीता अढ़ाव,डॉ दीपाली खोंडकर,डॉ प्रज्योत चव्हाण, डॉ मनीष सार्दुल,एस आई राजेश सावंत,डॉ अमोल दरोंई,समाज विकास अधिकारी राजेश सुरवाडे उपस्थित थे। जी दक्षिण के स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विरेन्द्र मोहिते साहेब विभागीय कामकाज को लेकर मनपा मुख्य कार्यालय में व्यस्त थे जिन्होंने सत्कार मूर्ति दुधम को शुभकामनाएं दूरध्वनि से दी।मंच का खूबसूरत संचालन वरिष्ठ समाजसेवी एवं सवेलेंस इंस्पेक्टर सुनील मोरे ने किया।

उपस्थित अधिकारियों द्वारा रघुनाथ दुधम का प्रशासकीय सम्मान अंगवस्त्र,सम्मान पत्र,प्रतीक चिन्ह, पुष्पगुच्छ देते हुए केक काटकर किया गया। सत्कार मूर्ति दुधम साहेब के सम्मान में विभागीय सवेलेंस अन्वेषक एवं कवि विनय शर्मा दीप ने कविता के माध्यम से सत्कार किया। उक्त समारोह में सत्कार मूर्ति का सम्मान करने हेतु म्युनिसिपल मजदूर यूनियन से संजय बने,प्रवीण कदम, भालचंद्र वाणी,आनंद शेट्टी उपस्थित थे। मनपा सवेलेंस के अन्य विभागों से दुधम के सहकर्मी शुभचिंतकों में रविन्द्र कोली, किरण, राठौड़, प्रशांत कदम, सुनील कर्पे, ऋषिकेश कदम, श्याम खोबरागड़े, रविन्द्र पाटील, संतोष खांबे, अमित कुमार शिंदे, किरण सोनावने, भारती पेडणेकर, श्रेया जांभले, हिरा वसावे, रविन्द्र गुरव, नवीन चोपड़े तथा परिवार के सगे संबंधी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। उक्त समारोह में दुधम साहेब की पत्नी एवं बच्चे भी शामिल थे। उपस्थित सभी ने अपने दो शब्दों से शुभकामनाएं दी तथा अंत में दुधम ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बच्चों के भविष्य की योजना बनाने वालों को अब अपने लिए भी मिलेगी स्कॉलरशिप



मुंबई। म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटरके लिए एडुफंड के B2B प्लेटफॉर्म वित्तम ने आज वित्तम स्कॉलर्स लॉन्च किया। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर और इंश्योरेंस एजेंट के बच्चों के लिए 25 लाख रुपये का राष्ट्रीय स्कॉलरशिप प्रोग्राम है। यह प्रोग्राम 2026-27 शैक्षिक सत्र में कक्षा 5 से 10 तक के छात्रों के लिए स्कूल फीस के लिए 5 लाख रुपये की पांच स्कॉलरशिप देता है। एप्लीकेशन आज से शुरू हो रहे हैं और मई 2027 तक चलेंगे। मई में ही स्कॉलर्स की घोषणा की जाएगी।

हर दिन भारत में कहीं न कहीं कोई माता-पिता अपने म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के सामने बैठकर एक आसान सा सवाल पूछते हैं- क्या मेरे बच्चे की पढ़ाई के लिए काफी पैसे होंगे? डिस्ट्रीब्यूटर लोगों की बात सुनते हैं, उनसे सही सवाल पूछते हैं और उनकी उम्मीदों को पूरा करने के लिए एक योजना बनाने में मदद करते हैं। वे सालों तक कई परिवारों के लिए ऐसा करते हैं। अब वित्तम स्कॉलर्स प्रोग्राम के जरिए वित्तम अपने डिस्ट्रीब्यूटर्स के बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठा रहा है। इस पहल की शुरूआत एक आसान सोच के साथ हुई कि जो लोग दूसरों के सपनों को पूरा करने की योजना बनाने में मदद करते हैं, उन्हें भी अपने सपनों को पूरा करने के लिए मदद मिलनी चाहिए। वित्तम स्कॉलर्स प्रोग्राम का किसी भी बिजनेस लक्ष्य से कोई संबंध नहीं है और यह पूरी तरह से वित्तम के कारोबार से अलग है। इस प्रोग्राम में आवेदन करने के लिए परिवारों को वित्तम पार्टनर होने, वित्तम अकाउंट रखने या वित्तम या एडुफंड के साथ कोई बिजनेस करने की जरूरत नहीं है। यह बस उस डिस्ट्रीब्यूटर कम्युनिटी को धन्यवाद है जिस पर भारत के परिवार भरोसा करते हैं।

एडुफंड और वित्तम के को-फाउंडर अरिंदम सेनगुप्ता ने कहा, हमने इस पहल को शुरू से ही पूरी तरह निष्पक्ष रखने का ध्यान रखा है। यह प्रोग्राम भारत के हर डिस्ट्रीब्यूटर परिवार के लिए है और इसका वित्तम के बिजनेस से कोई संबंध नहीं है। इसमें 'ब्लाइंड रिव्यू' की प्रक्रिया अपनाई जाती है, ताकि चयन के दौरान किसी की पहचान का असर न पड़े। यहाँ सिर्फ एक ही बात मायने रखती है वह छात्र की प्रतिभा और उसकी काबिलियत है।

रोहियांव निवासी आराध्या मिश्रा का जन्मदिन मनाया गया



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर विकास खंड सुजानगंज पोस्ट मधुपुर , ग्राम रोहियांव निवासी आराध्या आशू मिश्रा का जन्मदिन दिनांक 23 नवंबर 2026 सोमवार को 9वें वर्ष पूर्ण होने बड़े धूमधाम से मनाया गया जिसमें दादी शशिप्रभा मिश्रा ने पोती आराध्या के साथ केक कटवाते हुए आशीर्वाद प्रदान की। दादा रमाशंकर मिश्रा, निशा मिश्रा, फूल चंद मिश्रा, विजय चंद मिश्रा, उमाशंकर मिश्र, रमापति मिश्रा, सभापति मिश्रा, आशुतोष, गुनगुन, अग्निमित्र त्रिपाठी (गुंजन) ने आशीर्वाद देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की । वहीं पिता आशू मिश्रा , काका प्रिंश मिश्रा, सिद्धार्थ मिश्रा (पंडित), संतोष सिंह (गोलू) , अनुज मिश्रा, छोटू मिश्रा, रिया, महक, अंश, रेशम, नीतू,नीलू , बबिता, विपिन मिश्रा, राहुल, मोहिनी मिश्रा, मीनू, नितू, उषा दुबे, आदित्य मिश्र , रोहित दुबे ने हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी। मुंबई से दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि मृग की कस्तुरी के सुगंध की भांति आराध्या बिटिया आप की किर्ति की सुगंध चारों दिशाओं में फैले। उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी।

लोकाधिकार सेवा समिति का 28 व 29 नवंबर को जनसेवा शिविर

सुल्तानपुर। लोकाधिकार सेवा समिति द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अपने 22वें वर्ष में दिव्यांगजनों एवं जरूरतमंदों की सेवा के उद्देश्य से दो दिवसीय जनसेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभाकर चन्द्रशेखर शुक्ल एवं राष्ट्रीय महासचिव राहुल चन्द्रशेखर शुक्ल ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर के प्रथम दिन 28 नवंबर को दिव्यांगजनों को कंबल वितरित किए जाएंगे। वहीं, दूसरे दिन 29 नवंबर को निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर आयोजित किया जाएगा।



यह सेवा कार्यक्रम प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक सुल्तानपुर स्थित कमला हॉस्पिटल, बरौंसा चौराहा, जयसिंहपुर रोड पर आयोजित होगा। कंबल प्राप्त करने के लिए दिव्यांगजनों को अपना मूल दिव्यांगता (ओरिजिनल) प्रमाणपत्र साथ लाना अनिवार्य होगा। वहीं, नेत्र परीक्षण शिविर में लोगों की आंखों की जांच की जाएगी तथा पात्रता के आधार पर जरूरतमंदों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए जाएंगे। समिति पदाधिकारियों ने क्षेत्र के दिव्यांगजनों एवं जरूरतमंद लोगों से शिविर में पहुंचकर इस जनसेवा कार्यक्रम का लाभ उठाने की अपील की है। लोकाधिकार सेवा समिति जनसेवा ही हमारा संकल्प है।

गैरकानूनी धंधों, बढ़ते अपराध और ट्रैफिक समस्या पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित सख्त



वसई-विरार। शहर में बढ़ते गैरकानूनी धंधों, अपराध, नशे के कारोबार और यातायात की गंभीर होती समस्याओं को लेकर विधायक स्नेहा ताई दुबे पंडित ने पुलिस प्रशासन के समक्ष कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने मीरा-भायंदर-वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के जोन-2 के पुलिस उपायुक्त अशोक विरकर के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर इन समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

बैठक में अवैध देह व्यापार, गैरकानूनी फेरीवालों, ड्रग्स की बिक्री, हाईवे क्षेत्रों में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों, वाइन शॉप के आसपास होने वाली घटनाओं, अवैध पार्किंग और शहर में लगातार बढ़ते ट्रैफिक जाम जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए। विधायक ने नागरिकों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस गश्त बढ़ाने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने की मांग की।

बैठक में इन मुद्दों पर हुई चर्चा

विधायक को जानकारी दी गई कि अवैध देह व्यापार से जुड़े मामलों में अब तक 79 केस दर्ज किए गए हैं और ऐसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इसके अलावा गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्त चार लॉज को सील किए जाने की जानकारी भी दी गई। रात के समय पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने, हाईवे के संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस एवं ट्रैफिक पुलिस द्वारा नियमित निरीक्षण करने तथा अवैध फेरीवालों और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने पर भी चर्चा हुई। अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की मांग की गई।

वाइन शॉप के आसपास होने वाली आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण, ड्रग्स की बिक्री और सेवन के खिलाफ विशेष अभियान चलाने तथा इसमें शामिल लोगों पर कड़ी कार्रवाई करने का मुद्दा भी उठाया गया। ट्रैफिक समस्या के स्थायी समाधान पर जोर वसई-विरार में लगातार बढ़ते ट्रैफिक जाम, अनियंत्रित पार्किंग और यातायात नियमों के उल्लंघन को लेकर विधायक ने विशेष अभियान चलाने की मांग की। उन्होंने बताया कि शहर की ट्रैफिक समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए परिवहन क्षेत्र के विशेषज्ञों से भी चर्चा की जा चुकी है। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में तैयार किए गए सुझावों को जल्द लागू करने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। बैठक में डीसीपी अशोक विरकर ने सभी मुद्दों पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए आवश्यक कदम उठाने और कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई करने का भरोसा दिया।

विधायक स्नेहा ताई दुबे पंडित ने कहा कि वसई-विरार के नागरिकों की सुरक्षा, शहर में बेहतर कानून-व्यवस्था और सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है। इन सभी मुद्दों पर पुलिस प्रशासन के साथ लगातार फॉलोअप किया जाएगा, ताकि नागरिकों को समस्याओं से राहत मिल सके। इस अवसर पर भाजपा वसई-विरार शहर जिला सचिव प्रवीण गावड़े, भाजपा वसई रोड मंडल अध्यक्ष एवं नगरसेवक महेश सरवणकर, नगरसेवक प्रदीप पवार, नगरसेविका श्रीमती अपर्णा पाटिल, दीपक शर्मा, संतोष काकड़, कल्पेश पांडे, साईराज पवार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

यातायात माह में जौनपुर पुलिस का अभियान, 674 वाहनों का चालान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। यातायात माह नवंबर-2026 के तहत यातायात पुलिस ने जिले में जागरूकता एवं प्रवर्तन अभियान चलाकर 674 वाहनों का चालान किया। इनमें 22 चालान काली फिल्म लगे वाहनों के विरुद्ध किए गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक यातायात मनोज कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में शहर के प्रमुख चौराहों, तिराहों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर तथा पंपलेट वितरित कर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करने, तीन सवारी न बैठाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने की अपील की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की चेकिंग कर चालान एवं सीज की कार्रवाई की गई। साथ ही काली फिल्म लगे वाहनों से मौके पर ही फिल्म उतरवाई गई।

जौनपुर सदर में विशाल ढऊआ चौपाल का आयोजन, सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा पर हुई चर्चा



जौनपुर (उत्तरशक्ति) ' जौनपुर सदर विधानसभा क्षेत्र के देवकली में समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर विचार मंच द्वारा विशाल ढऊआ चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक जौनपुर सदर एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मोहम्मद अरशद खान उपस्थित रहे। चौपाल में हाजी अब्दुल सत्तार चौधरी, मुख्य वक्ता साहब लाल गौतम, अनिल यादव, रामलला यादव सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में ढऊआ की विचारधारा, सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा, समानता और भाईचारे जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने समाज के वंचित, शोषित, पिछड़े और उपेक्षित वर्गों के अधिकारों तथा उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ढऊआ सामाजिक सम्मान, समानता और सामाजिक न्याय की दिशा में एक संकल्प है। कार्यक्रम में समाजवादी विचारधारा को मजबूत बनाने और सामाजिक एकता बनाए रखने का आह्वान किया गया।

शाहगंज गैस सर्विस ने लगाया विशेष शिविर, ग्राहकों को वितरित किए 10 किलो के जिपलाइट सिलेंडर



शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज गैस सर्विस की ओर से मंगलवार को मंसूरी, शाहगंज में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 10 किलोग्राम क्षमता वाले जिपलाइट सिलेंडर के साथ नए गैस कनेक्शन ग्राहकों को वितरित किए गए। इस दौरान शाहगंज गैस सर्विस के अधिष्ठाता सुधीर कुमार वर्मा एवं प्रबंधक विवेक कुमार अस्थाना ने ग्राहकों को नए गैस कनेक्शन प्रदान किए। साथ ही जिपलाइट सिलेंडर की उपलब्धता, उपयोगिता और सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। गैस सर्विस के प्रतिनिधियों ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को नए गैस कनेक्शन की सुविधा उपलब्ध कराना और उनकी जरूरतों के अनुरूप गैस सेवा का लाभ पहुंचाना है। शिविर में नए कनेक्शन प्राप्त कर ग्राहकों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली।





ईरान में बिगड़ सकते हैं हालात, अमेरिका ने जारी किया अलर्ट

इंटरनेशनल डेस्कः अमेरिका ने ईरान में मौजूद अपने नागरिकों को तत्काल देश छोड़ने की सलाह दी है। ईरान में स्थित अमेरिकी वर्चुअल एम्बेसी ने एक चेतावनी जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि अमेरिकी नागरिक ईरान की यात्रा बिल्कुल न करें और जो लोग पहले से ईरान में मौजूद हैं, वे जल्द से जल्द वहां से निकल जाएं। अमेरिकी प्रशासन ने मध्य पूर्व में बढ़ते हमले के खतरे और अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाए जाने की आशंका जताई है।

अमेरिका ने सचेत किया है कि ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के हमलों और ईरान की ओर से अमेरिकी अधिकारियों एवं ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिशों के चलते क्षेत्र में सुरक्षा खतरा बढ़ सकता है। अमेरिका का दावा है कि ईरान ने बहरीन और कुवैत में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया है। इसके अलावा, हूती हमलों में सऊदी अरब के नागरिक हवाई अड्डों और महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया गया है, जिससे नागरिकों के हताहत होने और हवाई यात्रा प्रभावित होने की बात कही गई है। अमेरिका ने अपने नागरिकों को चेताया है कि क्षेत्र में संघर्ष तेजी से बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में उड़ानें रद्द होने, एयरस्पेस बंद होने और यात्रा में बाधा आने की आशंका है। अपनी एयरलाइंस से लगातार संपर्क में रहें। प्रदर्शन और भीड़भाड़ वाले इलाकों से दूर रहें। जहां भारी संख्या में पुलिस तैनात हो, वहां जाने से बचें। इसके अलावा स्थानीय प्रशासन के निदेर्शों का पालन करें और अमेरिकी विदेश विभाग के अलर्ट सिस्टम में रजिस्ट्रेशन कराएं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और ईरान के बीच वर्ष 1980 से राजनयिक संबंध नहीं हैं। ईरान में अमेरिकी हितों का प्रतिनिधित्व स्विट्जरलैंड करता है। इसलिए अमेरिका ने आपात स्थिति में अपने नागरिकों को तेहरान स्थित स्विस दूतावास के 'अमेरिकी हित अनुभाग' से संपर्क करने की सलाह दी है।

गांधीवादी योद्धाओं को 48वें जमनालाल बजाज पुरस्कार 2026 से किया गया सम्मानित



मुंबई। जमनालाल बजाज फाउंडेशन ने आज मुंबई में 48वें 'जमनालाल बजाज पुरस्कार' प्रदान किए। यह सम्मान उन चार व्यक्तियों को दिया गया, जिनके कार्यों ने गांधीवादी सिद्धांतों को ठोस कार्यों में बदला है और समाज पर मापने योग्य व प्रभावी सकारात्मक प्रभाव डाला है। पुरस्कार विजेताओं को मुख्य अतिथि, भूटान की हर रॉयल हाइनेस प्रिंसेस सोनम देचान वांगचुक की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के कई गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे, जिनमें बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के चेयरमैन शेखर बजाज; नोबेल शांति पुरस्कार विजेता और ट्रस्टी कैलाश सत्यार्थी, ट्रस्टी और सलाहकार परिषद के चेयरमैन डॉ. आर. ए. माशेलकर, फाउंडेशन की ट्रस्टी और मानद निदेशक मीनल बजाज; सलाहकार परिषद के सदस्य और अन्य प्रतिष्ठित अतिथि शामिल थे। श्री जमनालाल बजाज की जयंती के उपलक्ष्य में हर साल दिए जाने वाले ये पुरस्कार उन लोगों को सम्मानित करते हैं, जो निस्वार्थ प्रयासों से समुदायों को मजबूत बनाते हैं, अवसरों का विस्तार करते हैं और महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाते हैं। प्रत्येक विजेता को एक प्रशस्ति-पत्र, ट्रॉफी और 20,00,000 रुपये की नकद राशि प्रदान की गई। अंतरराष्ट्रीय विजेता को इतनी ही राशि विदेशी मुद्रा में दी गई। वर्ष 2026 का यह समारोह विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह दो महत्वपूर्ण पड़ावों के साथ जुड़ा हैः बजाज समूह के 100 वर्ष और जमनालाल बजाज फाउंडेशन का 50वां वर्ष। ये दोनों उपलब्धियां एक सदी पुरानी उस परंपरा को फिर से रेखांकित करती हैं, जिसमें उद्यमशीलता, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र सेवा को एक साझा उद्देश्य के रूप में जोड़ा गया है। दुनिया भर में बढ़ते संघर्षों और विभाजन के बीच, 48वें संस्करण में श्री जमनालाल बजाज के जीवन और विचारों पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही, संवाद, अहिंसा, करुणा और आपसी सम्मान जैसे गांधीवादी मूल्यों की प्रासंगिकता को भी प्रमुखता से उजागर किया गया। जमनालाल बजाज फाउंडेशन के ट्रस्टी कैलाश सत्यार्थी ने कहा, इस वर्ष के पुरस्कार विजेताओं की यात्राएं दिखाती हैं कि साहसिक और करुणा कार्य गरिमा की रक्षा कर सकते हैं, अन्याय को चुनौती दे सकते हैं और नए अवसर पैदा कर सकते हैं। जमीनी स्तर पर उनका निरंतर काम यह दर्शाता है कि सामाजिक बदलाव तब शुरू होता है, जब लोग सबसे कमजोर तबके के साथ खड़े होते हैं और एक अधिक न्यायपूर्ण तथा दयालु समाज बनाने का संकल्प लेते हैं।

इटली के चर्च में बाल यौ'न शोषण का बड़ा मामला, 20 साल में 57 पादरियों को सजा

रोम। इटली में इटालियन बिशप्स कॉन्फ्रेंस द्वारा जारी एक रिपोर्ट में कैथोलिक चर्च से जुड़ा बड़ा खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दो दशकों (2001-2021) के दौरान बच्चों के यौन शोषण के मामलों में 57 पादरियों को दोषी ठहराया गया है और उन्हें जेल की सजा सुनाई गई है। इतालवी बिशप सम्मेलन द्वारा प्रस्तुत की गई इस रिपोर्ट में वर्ष 2001 से 2021 के बीच चर्च अधिकारियों को दर्ज कराए गए 378 मामलों का ब्योरा दिया गया है। इन मामलों में कुल 880 अलग-अलग घटनाएं शामिल हैं, जिनमें 356 आरोपी पादरी और 385 पीड़ित बच्चे शामिल पाए गए हैं। इतालवी न्यायिक प्रणाली को कुल 123 संदिग्धों की सूचना दी गई थी, जिनमें से लगभग आधे यानी 57 पादरियों को अंतिम सजा सुनाकर जेल भेजा गया। रिपोर्ट के मुताबिक, 218 पादरियों के खिलाफ चर्च द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई, जिनमें से लगभग 70% को दोषी पाया गया। कुल 356 आरोपी पादरियों में से 87 को सेवा से बर्खास्त या निलंबित किया गया, 39 सेवानिवृत्त हो चुके थे और 67 की मृत्यु हो चुकी है। रिपोर्ट में सामने आया है कि पीड़ितों में लगभग 70% लड़के थे, जिनमें 14 से 17 वर्ष आयु वर्ग के किशोर सबसे अधिक प्रभावित हुए। इसके अलावा, लगभग 80% मामलों में आरोपी बार-बार अपराध करने वाले (४'३स्त्री ड्डाील्लीं१२) थे, जबकि लगभग 30% मामलों में सीधे यौन कृत्यों की पुष्टि हुई है। इटालियन बिशप्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख कार्डिनल माटेओ मारिया जुप्पी ने बयान जारी कर कहा, ₹्ये अपराध उस बुराई को उजागर करते हैं जो चर्च में फैली हुई हैः हमें इसे इसके नाम से बुलाना होगा और इसकी नृशंसता को स्वीकार करना होगा।

अकाली दल-भाजपा के फिर करीब आने से पंजाब की राजनीति में नई हलचल, बाबा गुरिंदर सिंह ने दी बधाई



मुंबईः दोनों दलों के बीच आपसी सहयोग को बताया पंजाब के विकास, शांति और भाईचारे के लिए महत्वपूर्ण कदम शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी के बीच फिर से गठबंधन की खबरों से पंजाब की राजनीति में नई हलचल देखने को मिल रही है। इस राजनीतिक घटनाक्रम का स्वागत करते हुए तख्त सचखंड हजूर अचल नगर साहिब के वाइस प्रेसिडेंट एवं शिरोमणि अकाली दल महाराष्ट्र के अध्यक्ष बाबा गुरिंदर सिंह ने शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता सुखबीर सिंह बादल और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बधाई दी है। बाबा गुरिंदर सिंह ने दोनों राजनीतिक दलों के बीच आपसी सहयोग को पंजाब की राजनीति के लिए एक अहम घटनाक्रम बताया। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों के बीच फिर से बेहतर तालमेल और सहयोग स्थापित होना दूरदर्शी सोच का परिणाम है। इससे पंजाब के विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के बीच आपसी सहयोग का उद्देश्य केवल राजनीतिक मजबूती तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि जनता के हितों, प्रदेश की तरक्की, शांति और सामाजिक भाईचारे को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। बाबा गुरिंदर सिंह ने उम्मीद जताई कि इस गठबंधन से पंजाब में खुशहाली और विकास की नई शुरूआत होगी। पिछले कई वर्षों से विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहे पंजाब को अब तरक्की और समृद्धि की नई राह मिलेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है। जनता के हितों को सर्वोपरि रखते हुए मिलकर काम करने से प्रदेश में शांति, भाईचारा और खुशहाली को और मजबूती मिलेगी।

90% शहरी भारतीयों का मानना है कि तकनीक आधारित सुरक्षा जरूरत है

मुंबई। आज आधुनिक घरों की पहचान अक्सर उनकी उन सुविधाओं से होती है, जो लोगों को आपस में जोड़ती हैं, लोगों के रोजमर्रा के कामों को स्वचालित बनाती हैं और उनकी रोजमर्रा की जिंदगी आसान करती हैं। लेकिन जैसे-जैसे शहरी भारत स्मार्ट जीवनशैली अपना रहा है, उपभोक्ता अब एक बुनियादी सवाल भी पूछने लगे हैं कि उनका घर उन्हें कितना सुरक्षित महसूस कराता है? हंसा रिसर्च द्वारा किए गए ह्यसिक्योर बाय डिजाइन स्टडी 2026 के अनुसार, 90% शहरी भारतीयों का मानना है कि तकनीक आधारित सुरक्षा विलासिता नहीं, बल्कि एक खास जरूरत है। यह निष्कर्ष बताता है कि आधुनिक घरों को लेकर उपभोक्ताओं की अपेक्षाएं बदल रही हैं। साथ ही, आवास क्षेत्र के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा करता है कि जब सुरक्षा जरूरी मानी जाने लगी है, तो क्या इसे घर का कब्जा मिलने के बाद ही जोड़ा जाना चाहिए या घर की योजना, डिजाइन और निर्माण के दौरान ही इसका ध्यान रखा जाना चाहिए? 'होम सेफ्टी मंथ' के हिस्से के रूप में, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का सिक्योरिटी सॉल्यूशंस व्यवसाय 'सिक्योर बाय डिजाइन' पहल के माध्यम से इस चर्चा को आगे बढ़ा रहा है। इसके तहत बिल्डरों, डेवलपर्स, आर्किटेक्ट्स और डिजाइनरों से आग्रह किया जा रहा है कि वे योजना और स्पेसिफिकेशन के चरण से लेकर हैंडओवर तक सुरक्षा पर पहले ही विचार करें। साथ ही, उपभोक्ताओं से भी अपील की जा रही है कि वे किसी चिंता या घटना के होने का इंतजार करने के बजाय, घर खरीदने, उसमें रहने जाने या बाद में बदलाव (रेट्रोफिटिंग) शुरू करने से पहले ही सुरक्षा के बारे में सोचें।

यह अध्ययन गोदरेज की लंबे समय से चली आ रही 'होम सेफ्टी डे' पहल पर आधारित है, जिसे इसके लॉक्स बिजनेस द्वारा शुरू किया गया है और हर साल 15 नवंबर को मनाया जाता है। 'होम सेफ्टी डे' का उद्देश्य सुरक्षा को रोजमर्रा की बातचीत का एक सक्रिय हिस्सा बनाना और घर की सुरक्षा की समझ को केवल भौतिक संपत्तियों की रक्षा से आगे ले जाना रहा है। इस वर्ष, 'होम सेफ्टी मंथ' उस सोच को उन घरों से आगे बढ़ाता है जिनमें लोग आज रह रहे हैं, और उन घरों तक ले जाता है जिन्हें कल के लिए डिजाइन किया जा रहा है। अध्ययन से पता चलता है कि लोगों की आकांक्षाओं और उनके मन में सुरक्षा को लेकर भरोसे के बीच अंतर है। जहां तकनीक आधारित सुरक्षा को तेजी से जरूरी माना जा रहा है, वहीं 13% लोगों का कहना है कि उनका घर सुरक्षित महसूस नहीं होता और 7% लोग इस बारे में निश्चित नहीं हैं। यानी, एक बड़ा वर्ग ऐसा है, जिसे सुरक्षा का भरोसा दिलाने की जरूरत है। ये चिंताएं परिवार की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी हैं। 65% लोगों को परिवार के घर से बाहर रहने के दौरान चोरी या सेंधमारी की चिंता रहती है, जबकि 60% लोगों को घर पर बच्चों के अकेले रहने की चिंता है। वहीं, 52% लोग सुरक्षा के लिए तकनीक का इस्तेमाल करने के प्रति अधिक इच्छुक हैं।

लिओ क्लब ऑफ सफाले लीड ने वरिष्ठ नागरिकों को सिखाये डिजिटल तकनीक के गुर

मोबाइल, सोशल मीडिया एवं इंटरनेट के सुरक्षित इस्तेमाल की दी जानकारी

-अजीत सिंह

पालघर (उत्तरशक्ति)। आधुनिक तकनीक के दौर में वरिष्ठ नागरिकों को भी डिजिटल दुनिया से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से लिओ क्लब ऑफ सफाले लीड की ओर से मंगलवार 24 नवंबर को वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल के तहत वरिष्ठ नागरिकों को मोबाइल फोन के उपयोग, सोशल मीडिया और आधुनिक तकनीक की बुनियादी जानकारी देकर डिजिटल दुनिया से परिचित कराया गया।

आज के समय में मोबाइल और इंटरनेट का सुरक्षित एवं सही इस्तेमाल करना बेहद जरूरी हो गया है। हालांकि तकनीकी जानकारी के अभाव में कई वरिष्ठ नागरिकों को



डिजिटल सुविधाओं का लाभ उठाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए लिओ क्लब के युवा सदस्यों ने आगे आकर वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल तकनीक का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान उन्हें मोबाइल के विभिन्न उपयोगों और सोशल मीडिया से जुड़ी जरूरी जानकारियां समझाई गईं। इस पहल से वरिष्ठ नागरिकों में तकनीक के प्रति जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद मिली। इस समाजोपयोगी कार्यक्रम का नेतृत्व क्लब की प्रेसिडेंट लिओ स्वरांगी कदम ने किया। इस अवसर पर ट्रेजरर समीक्षा महिपतराव सहित लिओ अथर्व पाटील, लिओ हार्दिका जोशी, लिओ उर्वी वर्तक, लिओ स्वराज कदम, लिओ दक्ष दवणे और लिओ श्रावणी वझे ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

युवा उम्र में ही सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने की दिशा में लिओ क्लब द्वारा उठाया गया यह कदम सराहनीय है। इस पहल ने यह संदेश दिया कि समाजसेवा केवल सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि ज्ञान का आदान-प्रदान कर समाज के प्रत्येक वर्ग को आत्मनिर्भर बनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। लिओ क्लब ऑफ सफाले लीड के इस अभिनव एवं जनहितकारी उपक्रम की विभिन्न स्तरों पर सराहना की जा रही है।

मेहनत ने लिखी सफलता की इबारत, डॉ. प्रियांशी को एमडीएस में गोल्ड मेडल



भदोही। प्रतिभा जब परिश्रम का हाथ थामती है तो सफलता की नई इबारत लिखती है। महाराजगंज की बेटी डॉ. प्रियांशी जायसवाल ने अपनी मेधा, लगन और अथक मेहनत के दम पर इसी कहावत को चरितार्थ कर दिखाया है। एमडीएस की परीक्षा में प्रथम स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल अपने नाम करने वाली प्रियांशी ने न केवल परिवार, बल्कि पूरे महाराजगंज और भदोही जिले का मान बढ़ाया है।

लखनऊ स्थित बीबीडी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह-2026 में डॉ. प्रियांशी को एमडीएस में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक और उपाधि प्रदान की गई। समारोह में मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विशिष्ट अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रतिष्ठित मंच पर गोल्ड मेडल से सम्मानित होना उनकी वर्षों की साधना, अनुशासन और शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रतिफल रहा।

बेटी को मंच पर स्वर्ण पदक और उपाधि ग्रहण करते देख परिजनों की आंखें खुशी से छलक उठीं। पिता राजेश के. जायसवाल ने इस उपलब्धि को परिवार के लिए अविस्मरणीय गौरव का क्षण बताया। उनके मुताबिक, बेटी की यह सफलता उसके समर्पण और निरंतर परिश्रम का परिणाम है। मंगलवार को महाराजगंज स्थित आवास पर इस उपलब्धि का उत्सव मनाया गया। मिठाइयां बांटकर खुशियां साझा की गईं। क्षेत्र के लोगों, शुभचिंतकों और परिचितों ने डॉ. प्रियांशी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. प्रियांशी की यह उपलब्धि उन बेटियों के लिए भी प्रेरणा है, जो अपने सपनों को संकल्प में बदलकर सफलता के शिखर तक पहुंचने का हौसला रखती हैं। उन्होंने साबित किया है कि प्रतिभा को अवसर और मेहनत का साथ मिले तो गांव-कस्बे की बेटियां भी राष्ट्रीय स्तर के मंच पर अपनी पहचान बना सकती हैं।

पाकिस्तान में बंटवारे की तैयारीः सिंध में आजादी को लेकर छिड़ा संग्राम



इस्लामाबाद। पाकिस्तान में प्रांतों के पुनर्गठन और मौजूदा चार प्रांतों को तोड़कर नए प्रशासनिक क्षेत्र बनाने की चर्चा ने सियासी माहौल गरमा दिया है। सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से जोड़ी जा रही इस योजना के विरोध में कराची में हजारों सिंधी लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि सिंध का बंटवारा किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस सप्ताह कराची में हुए विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में लोग पारंपरिक अजरक स्कार्फ और टोपियां पहनकर शामिल हुए। पाकिस्तान टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, रैली का आयोजन जी सिंध रहबर कमेटी ने किया था। इसमें राष्ट्रवादी नेताओं, राजनीतिक कार्यकर्ताओं, वकीलों और आम नागरिकों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने सिंध की मौजूदा भौगोलिक सीमाओं में किसी भी तरह के बदलाव का विरोध किया। उनका कहना था कि सिंध की जमीन, इतिहास और सांस्कृतिक पहचान से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। प्रांत की सीमाओं या प्रशासनिक ढांचे में बदलाव का फैसला वहां की जनता की सहमति के बिना नहीं होना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने नए प्रांत या प्रशासनिक इकाइयां बनाने के लिए जनमत संग्रह कराने के विचार को भी खारिज किया। उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार और संबंधित संस्थाओं से अपील की कि ऐसा कोई कदम न उठाया जाए, जिससे सिंध में राजनीतिक और सामाजिक विभाजन बढ़े। दरअसल, पाकिस्तान में मौजूदा चार प्रांतों पंजाब, सिंध, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान का पुनर्गठन करने की चर्चा है। इस विचार के तहत देश को करीब एक दर्जन या उससे अधिक प्रशासनिक इकाइयों में बांटने की बात कही जा रही है। इस प्रस्ताव को सेना प्रमुख आसिम मुनीर से जोड़ा जा रहा है। हालांकि, अभी तक सरकार की ओर से इस योजना का कोई आधिकारिक खाका सार्वजनिक नहीं किया गया है। इसके समर्थकों का तर्क है कि नए प्रशासनिक क्षेत्र बनने से शासन व्यवस्था बेहतर होगी, सरकारी कामकाज आसान होगा और प्रशासन आम लोगों के ज्यादा करीब पहुंचेगा। दूसरी ओर, आलोचकों को आशंका है कि इससे पाकिस्तान के संघीय ढांचे और मौजूदा राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव हो सकता है। द इकोनॉमिस्ट ने 8 अक्टूबर के अपने संपादकीय में इस संभावित कदम को राजनीतिक विपक्ष को कमजोर करने और सेना प्रमुख की पकड़ मजबूत करने की कोशिश के तौर पर देखा था। सिंध के बंटवारे को लेकर पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी ने भी कड़ा रुख अपनाया है। जियो टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, 17 नवंबर को कराची प्रेस क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सिंध का बंटवारा जबरन किया गया तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। बिलावल ने कहा कि जबरदस्ती बंटवारे से समाज में दरार पैदा होगी, दुश्मनी बढ़ेगी और आम लोग हथियार उठाने को मजबूर हो सकते हैं। इससे हिंसा और खून-खराबे की स्थिति पैदा हो सकती है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी संविधान और कानून के तहत जनता की इच्छा के मुताबिक नए प्रांत बनाने के विचार के खिलाफ नहीं है। लेकिन किसी भी क्षेत्र का बंटवारा दबाव या ताकत के इस्तेमाल से नहीं किया जाना चाहिए।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर और वाराणसी स्मार्ट सिटी के बीच हुआ अहम समझौता

मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में सड़क सुरक्षा प्रवर्तन को मजबूत बनाने के लिए वाराणसी स्मार्ट सिटी लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी के तहत शहर के २० महत्वपूर्ण ट्रैफिक जंक्शनों पर आधुनिक सर्विलांस कैमरों की आपूर्ति और स्थापना की जाएगी, जिन्हें मौजूदा ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के साथ एकीकृत किया जाएगा। इस एमओयू पर वाराणसी स्मार्ट सिटी लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शाश्वत त्रिपुरारी (आईएएस), चीफ जनरल मैनेजर अमरेंद्र और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कंट्री हेड एवं एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट (कॉर्पोरेट अफेयर्स) विक्रम गुलाटी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

विश्व के प्राचीनतम जीवंत शहरों में से एक और प्रमुख पर्यटन व धार्मिक स्थल होने के कारण वाराणसी में हर वर्ष लाखों श्रद्धालुओं और वाहनों का भारी



दबाव रहता है। इस पहल के माध्यम से TKM न केवल २० प्रमुख चौराहों पर कैमरा सिस्टम तैनात करेगा, बल्कि सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियानों को भी समर्थन देगा। इस परियोजना से हेलमेट, सिग्नल और लेन अनुशासन के पालन में २०झ्र२०% की वृद्धि तथा ओवरस्पीडिंग और गलत दिशा में वाहन चलाने जैसे उल्लंघनों में २०झ्र२०% की कमी आने की उम्मीद है। साथ ही, उन्नत सीसीटीवी निगरानी से उल्लंघनों की पहचान करने की क्षमता में ५०% से अधिक सुधार होगा। यह पहल भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के वर्ष २०३० तक सड़क दुर्घटनाओं में ५०% कमी लाने के लक्ष्य के अनुरूप है। वाराणसी स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सीईओ शाश्वत त्रिपुरारी (आईएएस) ने कहा, लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों का स्वागत करने वाले वाराणसी को ऐसे आधुनिक ट्रैफिक सिस्टम की आवश्यकता है, जो विकास के साथ लोगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करे। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के साथ यह साझेदारी हमारे २० सबसे व्यस्त जंक्शनों पर टेक्नॉलजी-संचालित निगरानी उपलब्ध कराएगी, जिससे हमें ट्रैफिक प्रबंधन और त्वरित कार्रवाई में बड़ी मदद मिलेगी।

पीएनबी ने डॉयचे बैंक एजी के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए



मुंबई। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र में बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने भारत में ग्राहकों द्वारा शेयर अधिग्रहण के वित्तपोषण को सुगम बनाने हेतु सहयोग की रूपरेखा तैयार करने के लिए डॉयचे बैंक एजी के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रस्तावित व्यवस्था के अंतर्गत, दोनों बैंक ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर विभिन्न माध्यमों जिनमें अंडरराइटिंग, व्यवस्था, सहभागिता , सिंडिकेशन, संदर्भ और सुविधा प्रदान करना शामिल है, के जरिए अधिग्रहण वित्तपोषण लेन-देन पर सहयोग करने के अवसरों की तलाश करेंगे। इस सहयोग का उद्देश्य शेयर अधिग्रहण लेनदेन करने वाले ग्राहकों के लिए वित्तपोषण समाधान सुगम बनाने हेतु दोनों संस्थानों की संबंधित क्षमताओं का लाभ उठाना है।

इस एमओयू पर पीएनबी के एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्र और डॉयचे बैंक ग्रुप, इंडिया एंड इमर्जिंग एशिया के सीईओ कौशिक शापरिया की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। एमओयू पर पीएनबी के महाप्रबंधक बिस्वजीत मोहंती, तथा डॉयचे बैंक एजी, मुंबई शाखा के प्रबंध निदेशक अनुज अग्रवाल और क्रेडिट सेल्स प्रमुख श्री देवेश मालवीय ने हस्ताक्षर किए।

इस नई साझेदारी पर अपने वक्तव्य में पीएनबी के एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्र ने कहा, डॉयचे बैंक के साथ यह सहयोग अधिग्रहण वित्तपोषण के क्षेत्र में नए अवसर तलाशने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अपनी-अपनी क्षमताओं और विशेषज्ञता का लाभ उठाकर, हमारा लक्ष्य कॉर्पोरेट बैंकिंग इकोसिस्टम में अपनी उपस्थिति मजबूत करते हुए ग्राहकों के लिए उनकी आवश्यकतानुसार वित्तपोषण समाधान सुगम बनाना है।

पूरे भारत में मोटर पॉलिसीधारकों को 24७ कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए बजाज जनरल इंश्योरेंस और लॉयर्ड की साझेदारी

मुंबई। भारत की अग्रणी प्राइवेट जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (पूर्व नाम बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड) ने आज लॉयर्ड के साथ साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी के तहत मोटर पॉलिसीधारकों को सड़कों पर 24७ कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए ऐड-ऑन सुविधा एलओटीएस (लॉयर ऑन द स्पॉट) शुरू की गई है। इस पहल का उद्देश्य मोटर इंश्योरेंस से जुड़ी सेवाओं में एक महत्वपूर्ण कमी को दूर करना है। इसके तहत सड़क दुर्घटना या सड़क पर होने वाली अन्य घटनाओं के बाद कानूनी या प्रक्रियात्मक चुनौतियों का सामना करने पर ग्राहकों को कानूनी सलाह और मौके पर सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। एलओटीएस के माध्यम से, पॉलिसीधारक पुलिस की प्रक्रियाओं, एफआईआर, वाहन जब्त किए जाने, ट्रैफिक चालान और संबंधित डॉक्यूमेंट्स के बारे में चौबीसों घंटे कानूनी सलाह ले सकते हैं। मौके पर सहायता प्रदान करने के साथ-साथ ग्राहक लॉयर्ड के देशव्यापी नेटवर्क के माध्यम से वकील की सहायता भी प्राप्त कर सकते हैं।

सड़क दुर्घटना के बाद कई तरह की कानूनी और प्रक्रियागत जटिलताएं सामने आ सकती हैं, जिनसे निपटने के लिए वाहन मालिक अक्सर पहले से तैयार नहीं होते। दुर्घटना के तुरंत बाद की स्थिति के अलावा, वाहन चालकों को पुलिस की कार्रवाई, एफआईआर दर्ज कराने की औपचारिकताएं, वाहन को जब्त किया जाना, डॉक्यूमेंटेशन प्रक्रिया और ट्रैफिक चालान जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है और अक्सर उन्हें अपने कानूनी अधिकारों और आवश्यक कदमों की स्पष्ट जानकारी भी नहीं होती। ऐसे में समय पर और विश्वसनीय कानूनी मार्गदर्शन मिलने से ग्राहकों को यह समझने में काफी मदद मिल सकती है कि उन्हें आगे क्या करना चाहिए और किस तरह कार्रवाई करनी चाहिए। एलओटीएस के माध्यम से बजाज जनरल इंश्योरेंस अपने मोटर पॉलिसी धारकों को फोन पर कानूनी मार्गदर्शन के साथ-साथ आवश्यकता पड़ने पर मौके पर सहायता उपलब्ध करा रहा है। इससे ग्राहक संबंधित प्रक्रियाओं को समझ सकते हैं, विशेषज्ञों से सलाह ले सकते हैं और अप्रत्याशित कानूनी परिस्थितियों का सामना होने पर उचित कदम उठा सकते हैं। बजाज जनरल इंश्योरेंस का यह मानना है कि मोटर इंश्योरेंस का कोई भी प्रकार हो, सभी में कानूनी और प्रक्रियागत चुनौतियां सामने आ सकती हैं, इसलिए कंपनी एक ऐड-ऑन के रूप में एलओटीएस सुविधा उपलब्ध करा रही है। इसमें कॉम्प्रिहेंसिव, स्टैंडअलोन ओन डैमेज और लॉन्ग-टर्म पॉलिसी के साथ-साथ प्राइवेट कार, टू-व्हीलर और कमर्शियल व्हीकल के लिए लायबिलिटी-ओनली कवर शामिल हैं।

तीन साल की बच्ची के घुटने की सूजन निकली गंभीर बीमारी, 14 महीने बाद हुआ गठिया का खुलासा

मुंबई। घर में फिसलकर गिरने के बाद तीन साल की बच्ची के बाएं घुटने में सूजन आ गई। शुरूआत में माता-पिता ने इसे मामूली चोट समझा, लेकिन सूजन कम नहीं हुई। धीरे-धीरे दर्द बढ़ने लगा और दूसरे टखने में भी परेशानी शुरू हो गई। कई डॉक्टरों से परामर्श, एमआरआई और टीबी की जांच के बावजूद बीमारी का सही कारण सामने नहीं आया। आखिरकार, लक्षण शुरू होने के 14 महीने बाद बच्ची में जुवेनाइल इडियोपैथिक आर्थराइटिस (जेआईए) की पहचान हुई। नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, मुंबई की कंसल्टेंट पीडियाट्रिक रुमेटोलॉजी डॉ. अर्चना खान ने बताया कि जुवेनाइल इडियोपैथिक आर्थराइटिस बच्चों में होने वाला गठिया है, जो 16 वर्ष की उम्र से पहले शुरू होता है और कम से कम छह सप्ताह तक बना रहता है। इस बच्ची में बीमारी का वह प्रकार पाया गया, जिसमें चार या उससे कम जोड़ प्रभावित होते हैं। उन्होंने बताया कि लंबे समय तक जोड़ों में सूजन रहने और समय पर इलाज न मिलने से हड्डियों का विकास प्रभावित हो सकता है। इससे हाथ-पैर की लंबाई में अंतर आने जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। डॉ. अर्चना खान के अनुसार, जोड़ों में लगातार सूजन, सुबह उठने पर अकड़न, बिना किसी चोट के लंगड़ाना और बच्चे का हाथ-पैर इस्तेमाल करने से बचना इस बीमारी के प्रमुख संकेत हो सकते हैं। यदि ये लक्षण छह सप्ताह से अधिक समय तक बने रहें, तो इन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जोड़ों का टीबी, संक्रमण, रूमेटिक फीवर और हीमोफीलिया जैसी बीमारियों में भी मिलते-जुलते लक्षण दिखाई दे सकते हैं। इसलिए सही जांच के बाद ही बीमारी की पुष्टि करना जरूरी है।